केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 281 | उज्जैन, मंगलवार 24 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

सुविचार

मन और कुछ नहीं सिर्फ विचारों का यातायात है, अपना मार्ग सावधानी से चुने

मंत्रि-परिषद ने 6,940 करोड़ रुपये के विभिन्न निर्माण और विकास कार्यों की दी मंजूरी

रीवा जिले की महाना माइक्रो सिंचाई परियोजना स्वीकृत

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक सोमवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद ने 6,940 करोड़ रुपये के विभिन्न निर्माण और विकास कार्यों और उनकी निरंतरता की स्वीकृति दी गयी है। मंत्रि-परिषद ने रीवा जिले की महाना माइक्रो सिंचाई परियोजना के निर्माण के लिए 82 करोड़ 39 लाख रूपये की स्वीकृति के अलावा शासकीय सेवकों और पेंशनर्स के लिए 1 जुलाई 2025 से 3 प्रतिशत महंगाई भत्ते की वृद्धि करते हुए 58 प्रतिशत के मान से महंगाई भत्ता स्वीकृत किया है। मंत्रि-परिषद ने अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना के संचालन की स्वीकृति सहित अनेक कल्याणकारी प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

शासकीय सेवकों और पेंशनर्स के लिए 3 प्रतिशत मंहगाई भत्ता दिए जाने की मंजूरी- मंत्रि-परिषद द्वारा राज्य शासन के सातवें वेतनमान प्राप्त कर रहे शासकीय सेवकों को 1 जुलाई, 2025 से 03 प्रतिशत की वृद्धि करते हुये कुल 58 प्रतिशत के मान से मंहगाई भत्ता स्वीकृत किया गया। छठवें वेतनमान के कार्मिकों एवं निगम / मंडल / उपक्रम के राज्य शासन में प्रतिनियुक्ति पर राज्य शासन में कार्यरत पांचवें एवं चौथे वेतनमान अंतर्गत कार्मिकों को समानुपातिक आधार पर मंहगाई भत्ता में वृद्धि के लिए वित्त विभाग को अधिकृत किया गया।

स्वीकृति अनुसार 1 जुलाई, 2025 से 31 मार्च, 2026 तक की एरियर राशि का भुगतान छः समान किश्तों में किया जायेगा। प्रथम किश्त का भुगतान मई माह में, द्वितीय किश्त का भुगतान माह जून में, तृतीय किश्त का भुगतान माह जुलाई में, चतुर्थ किश्त का भुगतान माह अगस्त में, पांचवी किश्त का भुगतान माह सितम्बर में और छठवी किश्त का भुगतान माह अक्टूबर में किया जायेगा।

एक जनवरी, 2025 से 31 मार्च, 2026 की अवधि में सेवानिवृत और मृत शासकीय सेवकों के संबंध में उन्हें अथवा नामांकित सदस्य को एरियर राशि का भुगतान एकमुश्त किया जायेगा। राज्य शासन के पेंशनर्स और परिवार पेंशनर्स को 01 जनवरी, 2026 से सातवें वेतनमान अंतर्गत 58 प्रतिशत एवं छठवें वेतनमान अंतर्गत 257 प्रतिशत पेंशन राहत स्वीकृत करते हुये छत्तीसगढ़ शासन के 9 फरवरी, 2026 के पत्र पर सहमति प्रदान की गई।

रीवा जिले की महाना माइक्रो सिंचाई परियोजना स्वीकृत- मंत्रि-परिषद द्वारा रीवा जिले की महाना माईक्रो सिंचाई परियोजना की लागत 82 करोड़ 39 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है। इस परियोजना से कुल 4500 हैक्टेयर में सिंचाई सुविधा का लाभ होगा। रीवा जिले की जवा एवं त्योंथर तहसील के 18 ग्रामों के लगभग 950 कृषक परिवार लाभान्वित होंगे।

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना के संचालन की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद् द्वारा प्रदेश के अन्य पिछड़े वर्ग के युवक-युवतियों को सैन्य बल एवं अन्य समकक्ष सुरक्षा बलों/पुलिस/होमगार्ड एवं निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए सक्षम बनाने लिए शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026 का संचालन किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति अनुसार प्रतिवर्ष अन्य पिछड़े वर्ग के 4000 युवाओं को सैन्य बल एवं अन्य समकक्ष सुरक्षा बलों में भर्ती के लिए आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण अवधि में पात्र पुरूष अभ्यर्थी को 1 हजार रूपये प्रति माह तथा महिला अभ्यर्थी को 1100 रूपये प्रति माह की दर से शिष्यवृत्ति भी उपलब्ध कराई जायेगी।

स्वीकृति अनुसार प्रदेश के 10 स्थानों पर स्थापित 40 केन्द्रों पर महिला एवं पुरूष अभ्यर्थियों को पृथक-पृथक प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। इसमें न्यूनतम 35 प्रतिशत सीट महिला अभ्यर्थियों द्वारा भरी जायेगी। इसके अंतर्गत निःशुल्क आवासीय एवं भोजन व्यवस्था तथा अध्ययन सामग्री प्रदान की जायेगी।

दिव्यांगता के क्षेत्र में संचालित संस्थाओं के अतिथि शिक्षकों को 18 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय को स्वीकृति- मंत्रि-परिषद ने सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अंतर्गत दिव्यांगता के क्षेत्र में संचालित संस्थाओं में अतिथि शिक्षकों को स्कूल शिक्षा विभाग के अतिथि शिक्षक वर्ग-1 के समरूप प्रतिमाह 18 हजार रूपये मानदेय दिया जाने का निर्णय लिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

बिहार में अब आर्किटेक्ट पास करेंगे 16 मीटर ऊंचे कॉमर्शियल प्रोजेक्ट का नक्शा, नहीं लगाने होंगे ऑफिस के चक्कर

पटना/ जीएनएस। राज्य में 16 मीटर (पांच-छह मंजिला) तक ऊंचे व्यावसायिक प्रोजेक्ट के नक्शे की स्वीकृति के लिए अब सरकारी कार्यालयों में एक टेबल से दूसरे टेबल का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। नगर विकास एवं आवास विभाग से सूचीबद्ध आर्किटेक्ट ही ऐसे प्रोजेक्ट के नक्शे को पास कर सकेंगे। विभाग ने इससे जुड़ा प्रस्ताव तैयार कर लिया है। अगले एक माह में राज्य सरकार से इसकी स्वीकृति मिल सकती है। नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार ने सोमवार को बिहार रेरा के द्वारा आयोजित कार्यशाला में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्र के नियोजित विकास के लिए बिहार बिल्डिंग बाइलाज में कई परिवर्तन प्रस्तावित हैं। प्रधान सचिव ने बताया कि प्रमोटर अपनी कंपनी का निबंधन नगर विकास एवं आवास विभाग में सालों भर करा सकेंगे और निबंधन के समय उनसे कोई दस्तावेज भी नहीं मांगा जाएगा। इसे सोमवार से ही लागू भी कर दिया गया है। नेशनल अर्बन डिजिटल मिशन के तहत राज्य की सभी शहरी स्थानीय निकायों से संबंधित सूचनाएं एवं सुविधाओं को एक ही प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराने की भी योजना है। बिहार रेरा के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने कार्यशाला में कहा कि बड़े राज्यों की तुलना में बिहार में निबंधित होने वाली परियोजनाओं की संख्या काफी कम है। प्राधिकरण के द्वारा अनेक मौका दिए जाने की बावजूद पिछले कुछ महीनों में वांछित दस्तावेज के अभाव में बिल्डरों के करीब एक सौ आवेदन रद करने पड़े। इस समस्या के समाधान के लिए प्राधिकरण ने अब फिल्टर सिस्टम लागू किया है ताकि बिल्डरों को आवेदन भरते समय ही कमियों का पता चल जाए। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि बिल्डरों को रेरा बिहार द्वारा काउंसलिंग की सुविधा भी दी जा रही है लेकिन बुलाये जाने के बावजूद करीब-करीब आधे मामलों में बिल्डर उपस्थित नहीं होते हैं। रेरा जांच आयुक्त संजय कुमार सिंह ने कहा कि प्रमोटर एवं परियोजनाओं की रैंकिंग, सेटेलाइट चित्रों के आधार पर भू-सम्पदा परियोजनाओं का निरिक्षण आदि कदम उठाने वाला रेरा बिहार पूरे देश का पहला प्राधिकरण है।

औंधे मुंह गिरी कीमतें, सोना 9000 तो चांदी 10000 सस्ती

नई दिल्ली/ जीएनएस। सोना और चांदी की कीमतों में हफ्ते की शुरुआत के साथ ही बड़ी गिरावट देखने को मिली है, जिससे निवेशकों में हलचल मच गई है। दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना सीधे 9,050 रुपए टूटकर 1.43 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं चांदी भी 10,500 रुपए सस्ती होकर 2.30 लाख रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक, 99.9त्न शुद्धता वाला सोना शुक्रवार के 1,52,650 रुपए से गिरकर 1,43,600 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया, यानी करीब 6त्न की गिरावट। चांदी भी पिछले सत्र के 2,40,500 रुपए से गिरकर 2,30,000 रुपए प्रति किलो रह गई, जिसमें 4.36त्न की कमी आई है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह गिरावट सिर्फ घरेलू नहीं बल्कि वैश्विक बाजार में भी दिखी। ऑल इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेश सिंघल ने बताया कि, डॉलर में आई मजबूती ने सोने की कीमतों को नीचे धकेला। मिडिल ईस्ट में तनाव की वजह से डॉलर की मांग दो गुनी हो गई है। इसके अलावा कच्चे तेल के दाम बढ़े, जिससे महंगाई का खतरा भी बढ़ा। जिसने सोने-चांदी की कीमतों को गिरा दिया। योगेश सिंघल ने सोने-चांदी का टारगेट प्राइस भी दिया। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में सोना गिरकर 1.12 लाख रुपए से 1.15 लाख रुपए तक पहुंचेगा। वहीं चांदी के दाम भी गिरकर 1.80 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच जाएगी। उन्होंने निवेशकों को सलाह दी है कि इस वक्त सोने-चांदी में निवेश का अच्छा मौका है। क्योंकि मार्च खत्म होते ही सोने-चांदी में जोरदार उछाल आएगा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के जिंस विश्लेषक सौमिल गांधी ने बताया कि सोना चार महीने के निचले स्तर तक पहुंच गया है।

किसानों के लिए पूर्ण कर्ज माफी का कोई प्रस्ताव नहीं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में दी जानकारी

नई दिल्ली/ जीएनएस। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा को बताया कि किसानों के लिए पूर्ण कर्ज माफी का कोई प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास विचाराधीन नहीं है।

वित्त मंत्री ने प्रश्न के उत्तर में यह भी कहा कि सरकार ने किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए कई उपाय किए हैं, जिनमें किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से समय पर और पर्याप्त कर्ज उपलब्ध कराना शामिल है। इसके साथ ही सरकार ने बिना गारंटी वाले अल्पकालिक कृषि ऋणों को 1.60 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दिया है।

फसल बीमा और भूमि धारक किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के जरिये सीधे नकद हस्तांतरण शुरू किया है।

वित्त मंत्री ने दिया जवाब- अन्य प्रश्न के उत्तर में सीतारमण ने कहा कि आयकर अधिनियम, 1922 में सेवा-संबंधी शारीरिक दिव्यांगता के कारण सेवामुक्त हुए सशस्त्र बलों के सदस्यों को दिव्यांगता पेंशन पर छूट का प्रविधान था। जब आयकर अधिनियम, 1961 लागू हुआ, तो छूट जारी रही।

आयकर अधिनियम, 2025 के लागू होने के साथ आयकर अधिनियम, 1922 से संबंधित पूर्ववर्ती अधिनियम समाप्त हो जाएंगे। इसलिए नए कानून में स्पष्ट प्रविधान से छूट समाप्त हो जाती।

वर्तमान प्रविधान को पहले से मौजूद छूट की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए शामिल किया गया है, जिसमें इसका दायरा और शर्तें भी शामिल हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि उक्त कर छूट को निलंबित नहीं किया गया है।

दिव्यांगता पेंशन- वित्त विधेयक, 2026, में आयकर अधिनियम, 2025 के तहत दिव्यांगता पेंशन के संबंध में विशेष छूट का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि 31 जनवरी, 2026 तक, दिव्यांगता के कारण सेवा से सेवानिवृत्त सशस्त्र बलों के कर्मियों की संख्या 1,47,263 है, जबकि विकलांगता पेंशन प्राप्त करने वाले सशस्त्र बलों के कर्मियों की संख्या 89,598 है। अन्य प्रश्न के उत्तर में वित्त मंत्री ने कहा कि अफार्डेबल एंड मिड- इनकम हाउसिंग (स्वामीह) निवेश कोष ॥ को शुरू करने की प्रक्रिया चल रही है।

स्वामी इन्वेस्टमेंट फंड ॥ उन घर खरीदारों की मदद के लिए शुरू किया जा रहा है जिनके निवेश अटके हुए हैं। इस फंड का उद्देश्य भारत भर में रुके हुए आवास परियोजनाओं को पूरा करना है।

दिल्ली में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में बदलाव का दौर अभी थमा नहीं है। गुरुवार और रविवार को फिर से इसकी बानगी देखने को मिलेगी। दोनों ही दिन गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने और तेज हवा के साथ हल्की वर्षा होने का पूर्वानुमान है। कहने का मतलब यह कि तापमान में भी गिरावट आएगी और गर्मी के तेवर भी हल्के ही रहेंगे। उधर सोमवार को मौसम का मिश्रित मिजाज देखने को मिला। सुबह के समय घने बादल भी छाए और हल्की वर्षा भी हुई। हालांकि बाद में धीरे-धीरे मौसम साफ हो गया और धूप भी निकल आई। इस दौरान दिल्ली वासियों ने थोड़ी गर्मी का भी एहसास किया।

सोमवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 1.8 डिग्री कम 29.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.5 डिग्री अधिक 17.8 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा में नमी का स्तर 96 से 54 प्रतिशत रिकॉर्ड किया गया। सबसे कम अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री मयूर विहार में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 16.1 डिग्री रिज क्षेत्र का रिकॉर्ड किया गया।दूसरी ओर मौसम में बदलाव का असर हवा की गुणवत्ता पर नजर आ रहा है।

2029 से ही लागू होगा महिला आरक्षण... बजट सत्र में सरकार लाएगी संशोधन बिल, विपक्ष से हो रही चर्चा

नई दिल्ली/ जीएनएस। संसद तथा राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी सीटें सन 2034 से आरक्षित करने की बजाय इसे अब 2029 के लोकसभा चुनाव से ही लागू करने के लिए महिला आरक्षण संशोधन बिल लाने के लिए सरकार ने राजनीतिक दलों से बातचीत की पहल तेज कर दी है।

समझा जाता है कि वर्तमान बजट सत्र में ही इस संबंध में संशोधन विधेयक पेश करने के लिए सरकार ने विपक्षी दलों से संपर्क-संवाद शुरू कर दिया है। 2027 में होने वाली राष्ट्रीय जनगणना के पहले ही लोकसभा सीटों का परिसीमन शुरू होगा कर 2029 के आम चुनाव से ही महिला आरक्षण लागू करने का रास्ता बनाने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम में बदलाव के लिए संशोधन बिल लाने की यह तैयारी कर रही है।

महिला आरक्षण संबंधी संशोधन बिल लाने की सरकार की शुरू की गई पहल से साफ है कि लोकसभा की वर्तमान 543 सीटों में 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ यह संख्या 814 हो जाएगी।

भारत में LPG और पेट्रोल की कोई कमी नहीं, होर्मुज पार कर 92 हजार टन गैस लेकर भारत आ रहे दो जहाज

नई दिल्ली/ जीएनएस। पेट्रोलियम मंत्रालय का कहना है कि एलपीजी की स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है, लेकिन देश में कोई भी पेट्रोल पंप ड्राई नहीं है। उपलब्ध एलपीजी की डिलिवरी सामान्य तरीके से हो रही है। पैनिक बुकिंग में कमी आई है और रोजाना होने वाली बुकिंग की संख्या 88 लाख से घटकर 50 लाख पर आ गई है।

एलपीजी को लेकर अच्छी खबर यह भी है कि 92,000 टन एलपीजी से लदे दो भारतीय जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर चुके हैं। पिछले सप्ताह भी दो जहाज एलपीजी लेकर पहुंचे थे।

कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति बढ़ी- पेट्रोलियम मंत्रालय ने कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति को बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक कर दिया है। कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई बढ़ने से कैंटीन, ढाबा, रेस्टोरेंट का संचालन फिर से शुरू हो पाएगा।

प्रवासी श्रमिकों के लिए पांच किलोग्राम के सिलिंडर राज्य सरकार को दिए जा रहे हैं। घरेलू स्तर पर एलपीजी के उत्पादन में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और जरूरत की 50 से 60 प्रतिशत आपूर्ति घरेलू स्तर से हो रही है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि 14 किलोग्राम के एलपीजी सिलिंडर को 10 किलोग्राम करने की फिलहाल कोई योजना नहीं है।

2026 में रूस की यात्रा पर जाएंगे PM मोदी, 2030 तक दोनों देशों के बीच होगा 100 अरब डॉलर का व्यापार

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिसंबर, 2025 में राष्टपति व्लादिमीर पुतिन भारत की यात्रा पर आए थे, अब भारत के पीएम नरेंद्र मोदी रूस जाने की तैयारी में है।

इस बात की घोषणा रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मॉस्को में आयोजित सम्मेलन इंडिया एंड रशियाः टुवर्ड्स ए न्यू बाइलेटरल एजेंडा को संबोधित करते हुए दी।

रूसी इंटरनेशनल अफेयर्स काउंसिल और भारत के मॉस्को स्थित दूतावास ने संयुक्त रूप से आयोजित सम्मेलन को विदेश मंत्री एस. जयशंकर और लावरोव ने वीडियो के माध्यम से संबोधित किया।

दोनों विदेश मंत्रियों ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत और रूस ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने की मजबूत प्रतिबद्धता जताई है।

पिछले साल दिसंबर 2025 में रूसी राष्टपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा ने दोनों देशों के बीच नए क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा दिया था और द्विपक्षीय कारोबार को सौ अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा है।

रूस की यात्रा पर जाएंगे पीएम मोदी- लावरोव ने अपने संबोधन में कहा, 2026 में हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रूस में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। लावरोव ने बताया कि दोनों देशों के बीच कारोबार का 96 प्रतिशत हिस्सा अब राष्ट्रीय मुद्राओं (रुपये और रूबल) में हो रहा है। यह कदम पश्चिमी प्रतिबंधों और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के दौर में दोनों देशों की आर्थिक स्वतंत्रता को मजबूत करता है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने संबोधन में भारत-रूस के विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, स्थिरता और प्रगति में योगदान दे रहा है। उन्होंने व्यापार लक्ष्य (2030 तक 100 अरब डॉलर), सिविल न्यूक्लियर ऊर्जा (कुडनकुलम प्रोजेक्ट), स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, कुशल पेशेवरों की गतिशीलता, ब्रिक्स, एससीओ और यूएन जैसे मंचों पर सहयोग का उल्लेख किया।

अब तीसरी क्लास से ही एआई के बारे में पढ़ेंगे बच्चे... तैयारियों में जुटा शिक्षा मंत्रालय, सितंबर तक आ जाएगी बुक

नई दिल्ली/ जीएनएस। नए शैक्षणिक सत्र से केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय सहित देश भर में सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में तीसरी कक्षा से ही बच्चों को एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) व सीटी (कंप्यूटेशनल थिंकिंग) को पढ़ाया जा सकता है। सीबीएसई व एनसीईआरटी के साथ ही मिलकर शिक्षा मंत्रालय इसकी तैयारियां में तेजी से जुटा है।

माना जा रहा है कि इसे लेकर बुनियादी पाठ्यपुस्तक भी सितंबर तक आ सकती है। हालांकि इससे पहलेस्कूलों में इसे पढ़ाने के लिए शिक्षकों का चयन और उन्हें प्रशिक्षण आदि देने की तैयारी चल रही है।

तीसरी कक्षा से पढ़ाने की योजना- शिक्षा मंत्रालय वैसे तो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के आने के बाद ही स्कूलों में इसे पढ़ाने की तैयारी में जुटा हुआ था, हालांकि इसे पहले छठवीं कक्षा से ही पढ़ाने की तैयारी थी। लेकिन विशेषज्ञों की सलाह के बाद स्कूलों में अब इसे तीसरी कक्षा से पढ़ाने की योजना बनाई गई है।

इसके पीछे जो मुख्य वजह बताई जा रही है, वह बच्चों में कम उम्र में ही सीखने की क्षमता को देखते हुए लिया गया है। सूत्रों की मानें तो इसे स्कूलों में किसी विषय के रूप में न पढ़ाते हुए पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान कुछ घंटे अनिवार्य रूप से एक एक्टिविटी के रूप में पढ़ाया जाएगा।

कृषि कल्याण वर्ष के लिए शासन के लक्ष्य पर कृषिगत से जुड़े विभाग सक्रिय होकर कार्य करें- संभागायुक्त

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने सम्भागीय अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने आज सम्भागीय अधिकारियों के साथ खाद्य विभाग, शिक्षा विभाग, कृषि एवं अन्य विभागों की समीक्षा बैठक की। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कृषि कल्याण वर्ष के लिए शासन द्वारा विभागीय रूप से निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति पर कार्य करने के लिए सम्भागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा है कि शासन ने इस वर्ष कृषि से जुड़े विभागों के लिए लक्ष्य निर्धारित किये है, उसी अनुरूप अपने-अपने विभागों के रोडमैप पर सक्रियता से कार्य करे। उन्होंने विभिन्न ?विभागों की प्रगति रिपोर्ट देखी और उसकी समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्य निश्चित समय-सीमा में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ करें। आमजनों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े, इस बात का विशेष ध्यान रखें।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य, उपायुक्त राजस्व श्रीमती सपना लोवंशी, विकास आयुक्त श्री डी.एस. रणदा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल. मारू, जनजातीय कार्य? विभाग के डिप्टी कमिश्नर ब्रजेशचन्द्र पाण्डे, कृषि विभाग के संयुक्त संचालक श्री आलोक के. मीणा, स्वास्थ्य विभाग के संचालक डॉ. सॉजी जोसेफ, महिला एवं बाल विभाग की सहायक संचालक सुश्री संध्या व्यास, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग के सब इंजीनियर श्री सुनील उदिया सहित विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने संयुक्त संचालक कृषि श्री मीणा से कहा कि लक्ष्य के अनुरूप जिलो में किस तरह के कार्य हुए है। उनकी समीक्षा भी निरंतर करते हुए समस्याओं को पहचानते हुए दूर करें। कृषि कल्याण वर्ष में सभी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री कराना सुनिश्चित करें, ताकि उन्हें योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ प्राप्त करने में किसी भी तरह की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।

संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने आगामी 1 अप्रैल से प्रारम्भ हो रहे उपार्जन कार्यो की समीक्षा की गई। जिलो में किसानों का इस वर्ष पंजीयन अधिक संख्या में हुआ है। इसलिए अतिरिक्त निगरानी और उपार्जन केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओ की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। किसानों के सत्यापन का कार्य को भी प्रमुखता से सम्पादित करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि संभाग के किसी भी जिले में नरवाई जलाने की घटनाएं नहीं हो। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, आंगनवाड़ी केन्द्रों और लाड़ली लक्ष्मी योजना का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाये। कु-पोषण को रोकने हेतु आंगनवाड़ी केन्द्रों में पर्याप्त व्यवस्था की जाए। साथ ही जल-जीवन मिशन के तहत ग्रामीणों को शुद्ध और पर्याप्त जल मिल सकें यह सुनिश्चित किया जाये। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का शीघ्र निराकरण किया जाये। प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र और जन-पोषण केन्द्र की व्यवस्था को मजबूत किया जाये।

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. विशाल सिंह बघेल का इंदौर में भव्य स्वागत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक पद पर नियुक्ति के बाद डॉ. विशाल सिंह बघेल के इंदौर आगमन पर जिला भाजपा द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण चावड़ा एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डॉ. बलराम गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बताया गया। बड़ी संख्या में भाजपा इंदौर ग्रामीण के कार्यकर्ता एवं समर्थक इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. विशाल सिंह बघेल ने कहा कि चिकित्सा प्रकोष्ठ समाज सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जिसके जरिए आमजन को स्वास्थ्य सेवाएं और जागरूकता प्रदान की जा सकती है। उन्होंने संगठन को जिला स्तर पर और मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन भी दिया। इस अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, राऊ विधायक मधु वर्मा, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष सौगात मिश्रा, भाजपा जिला महामंत्री रामस्वरूप गहलोत, जिला पंचायत सदस्य दिलीप पटेल सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रजत शर्मा ने किया तथा आभार डॉ. बलराम गुप्ता ने व्यक्त किया।

शहीद भगत सिंह व हेमू कालानी को श्रद्धांजलि, महापौर व सांसद ने किया माल्यार्पण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में शहीद भगत सिंह की पुण्यतिथि एवं हेमू कालानी की जयंती के अवसर पर उनके प्रतिमाओं पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण कर नमन किया गया। कलेक्टर चौराहे एवं राजमोला चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं सांसद शंकर लालवानी ने सहभागिता की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने शहीदों के अद्वितीय साहस और बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि शहीदों का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनके त्याग, समर्पण एवं राष्ट्रभक्ति से सभी को सीख लेनी चाहिए। सांसद शंकर लालवानी ने भी अपने उद्बोधन में कहा कि शहीदों का बलिदान देश के इतिहास में अमिट है और युवाओं को उनके आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम में पार्षद श्रीमती कंचन गिदवानी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कुंए और बावडिया हमारी संस्कृति का हिस्सा है, हम इसकी उपेक्षा नहीं करें- मंत्री श्री सिलावट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने जल की महत्ता का रेखांकित करते हुए कहा कि जल ही जीवन है और यह अनमोल है। जल के संरक्षण के बिना हमारे अस्तिव की कल्पना संभव नहीं है। जल है तो कल है। जल ससांर की पहली और सर्वोत्तम औषधि है।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि पृथ्वी पर लगभग 71 प्रतिशत भाग जल से ढँका हुआ है, लेकिन इसमें से मात्र 2.5 प्रतिशत ही मीठा पानी है, उसमें भी बहुत कम हिस्सा ही पीने योग्य है। नदियां, तालाब, कुंए और बावडिया हमारी संस्कृति, सामाजिक विकास और संस्कारों का अभिन्न हिस्सा हैं, इनकी उपेक्षा से हमारी सभ्यता का भी नुकसान हो रहा है।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए सिंचाई के लिए अधिक पानी की जरूरत है। कृषि के लिए इस्तेमाल किया गया भू-जल का प्रतिशत आज अधिक बढ़ गया है।

फर्जी वीडियो को इंदौर का बताकर वायरल करने पर 5 सोशल मीडिया अकाउंट्स पर FIR दर्ज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए 5 इंस्टाग्राम अकाउंट्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मामला मुंबई में हुए एक कॉन्सर्ट के मारपीट वीडियो को इंदौर का बताकर वायरल करने से जुड़ा है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर सोशल मीडिया सेल द्वारा लगातार निगरानी की जा रही थी। जांच के दौरान सामने आया कि खजराना क्षेत्र में हुए कॉन्सर्ट से जोड़कर वायरल किया जा रहा वीडियो वास्तव में मुंबई का पुराना वीडियो है, जिसे गलत जानकारी के साथ इंदौर का बताकर प्रसारित किया गया।

पुलिस ने इस भ्रामक सामग्री को गंभीरता से लेते हुए ऐसे 5 सोशल मीडिया अकाउंट्स की पहचान कर उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज की है। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की फर्जी जानकारी से आमजन में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है।

इंदौर पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी फोटो, वीडियो या जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा करने से पहले उसकी सत्यता अवश्य जांच लें और बिना पुष्टि के कोई भी सामग्री शेयर न करें, ताकि अफवाहों को फैलने से रोका जा सके।

इंदौर- दाहोद रेल परियोजना में तेजी, पीथमपुर- धार खंड पर टॉवर वेगन से ट्रैक परीक्षण शुरू

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल अंतर्गत बहुप्रतीक्षित इंदौर- दाहोद नई रेल लाइन परियोजना तेजी से साकार रूप ले रही है। इस परियोजना के तहत इंदौर से टीही तक का कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि टीही से धार के बीच निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। परियोजना के अंतर्गत टीही-पीथमपुर खंड में टनल निर्माण शेष होने के कारण रेलवे ने वैकल्पिक व्यवस्था अपनाते हुए ट्रैक मशीन को सड़क मार्ग से लाकर रेलवे ट्रैक पर उतारा। इसके माध्यम से पीथमपुर से धार तक ट्रैक की पैकिंग और मरम्मत कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। ट्रैक की गुणवत्ता और सुरक्षा जांच के लिए टॉवर वेगन को भी सड़क मार्ग से लाकर पीथमपुर के पास ट्रैक पर उतारा गया। 23 से 26 मार्च 2026 के बीच टॉवर वेगन को निर्धारित गति से चलाकर ट्रैक की स्थिरता और फिटनेस का परीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान रेलवे द्वारा पहले ही आम नागरिकों को ट्रैक के पास नहीं जाने की सलाह जारी की गई थी। मुख्य इंजीनियर (निर्माण) धीरज कुमार स्वयं निरीक्षण के लिए पहुंचे और उन्होंने पीथमपुर से धार तक टॉवर वेगन के माध्यम से ट्रैक का विस्तृत परीक्षण किया। यह पहली बार है जब इस नई रेल लाइन पर टॉवर वेगन से ट्रैक परीक्षण किया गया है, जो परियोजना की प्रगति का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, पीथमपुरङ्धार खंड के पूर्ण होने तक समानांतर रूप से टनल निर्माण कार्य भी तेजी से जारी रहेगा। परियोजना पूरी होने पर इंदौर से धार के बीच आवागमन अधिक सुगम, सुरक्षित और तेज होगा, जिससे क्षेत्रीय विकास के साथ औद्योगिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

होटल संचालकों ने सरकार को घेरा, बोले- 20% नहीं हमें चाहिए 50% गैस सिलेंडर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की किल्लत ने होटल और रेस्टोरेंट उद्योग की कमर तोड़ दी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच जारी युद्ध के कारण देश में गैस आपूर्ति बाधित हुई है। केंद्र सरकार द्वारा शुरुआत में आपूर्ति बंद करने के बाद इसे 20 प्रतिशत तक बहाल करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन जमीनी स्तर पर यह राहत अब तक व्यवसायियों तक नहीं पहुंच सकी है। होटल और रेस्टोरेंट संचालकों की बढ़ती परेशानियों को देखते हुए मध्य प्रदेश होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित सूरी ने खाद्य आपूर्ति सचिव रश्मि अरुण शमी से भोपाल में संपर्क किया।

इंदौर नगर निगम में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर, महापौर ने किया अवलोकन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर निगम द्वारा कर्मचारियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए निगम मुख्यालय में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर म.प्र. वॉलंटरी हेल्थ एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने लाभ लिया।

इस अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि निगम अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य को लेकर लगातार प्रयास कर रहा है और इसी उद्देश्य से इस प्रकार के शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

महापौर ने कहा कि कई कर्मचारी अपने कार्य के दौरान स्वास्थ्य समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे उन्हें समय पर उपचार नहीं मिल पाता। ऐसे में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर उनके लिए अत्यंत लाभकारी साबित होंगे। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि आने वाले दिनों में इसी तरह के शिविर जोन स्तर पर भी लगाए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक कर्मचारी इसका लाभ उठा सकें।

शिविर में निःशुल्क नेत्र जांच, मोतियाबिंद की पहचान एवं ऑपरेशन, डायबिटिक रेटिनोपैथी की जांच, विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा परामर्श और जरूरतमंदों को निःशुल्क चश्मों का वितरण किया गया।

महापौर ने बताया कि इससे पूर्व भी वार्ड स्तर पर आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में 5 हजार से अधिक कर्मचारियों का मोतियाबिंद का निःशुल्क उपचार कराया जा चुका है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का स्वस्थ रहना आवश्यक है, तभी वे शहर को बेहतर सेवाएं दे सकेंगे।

ईद पर रिश्तेदार के घर जा रहा बाइक सवार परिवार हादसे का शिकार, बच्ची की दर्दनाक मौत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में ईद पर रिश्तेदार के यहां मिलने जा रहे एक बाइक सवार की टक्कर अज्ञात वाहन से हो गई। बाइक पर युवक के अलावा उसकी बहन और भांजी भी सवार थी। टक्कर से भाई-बहन घायल हो गए, लेकिन चार साल की भांजी की जान नहीं बच सकी। यह घटना बंगाली कॉलोनी चौराहे के समीप हुई। टक्कर किस वाहन ने मारी, यह भी बाइक सवार को पता नहीं है। घटना के बाद लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया था। इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो गई। माणिकबाग निवासी सुफियान उनकी बहन और भांजी इकरा के साथ जा रहे थे। वे अपने खजराना में रहने वाले रिश्तेदार के घर के लिए रवाना हुए थे। बंगाली कॉलोनी ब्रिज के पहले रिंग रोड के कट से तेजी से आ रहे वाहन ने टक्कर मार दी और तेजी से निकल गया। संतुलन बिगड़ने से सुफियान की बाइक सड़क पर गिर पड़ी और तीनों को गंभीर चोटें आईं। चार साल की इकरा सिर के बल सड़क पर गिरी और उसे अंदरूनी चोट आई। इसके बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई, लेकिन किसी ने भी वाहन को टक्कर मारते हुए नहीं देखा। लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। अब पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर टक्कर मारने वाले वाहन की जानकारी जुटा रही है। इसी तरह एक अन्य घटना में सिलिकॉन सिटी निवासी पप्पू पिता आशाराम की लसूड़िया में सड़क हादसे में मौत हो गई।

जिले में अच्छे कार्य करने वालों को मिलेगा प्रोत्साहन एवं कमजोर प्रदर्शन करने वालों पर होगी कार्रवाई

राजस्व अभियान के तहत लंबित सभी मामलों का 31 मार्च तक होगा निराकरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में समय-सीमा के पत्रों के निराकरण तथा विभिन्न प्राथमिकता वाले विषयों की समीक्षा हेतु बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विशेष रूप से राजस्व अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि जिले में 28 फरवरी तक लंबित सभी प्रकरणों का निराकरण 31 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से किया जाए। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, अपर कलेक्टर श्रीमती निशा डामोर, अपर आयुक्त नगर निगम श्री आकाश सिंह तथा श्री एन.एन. पाण्ड़े सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री वर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार आमजन को समय पर योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाने तथा उनकी समस्याओं का समय पर निराकरण करने के लिए संचालित सीएम हेल्पलाइन, संकल्प से समाधान अभियान एवं अन्य विशेष अभियानों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को बेहतर प्रदर्शन बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इंदौर जिले की सीएम हेल्पलाइन में परफॉर्मेंस लगातार बेहतर हुई है, जिसे और अधिक सुधारने के प्रयास किए जाएं।

बैठक में चल रहे विशेष राजस्व अभियान की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि यह अभियान 13 मार्च से प्रारंभ हुआ है। इस अभियान के तहत 31 मार्च तक विगत 28 फरवरी तक लंबित बंटवारा, सीमांकन, नामांतरण एवं कब्जा विवाद जैसे प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर श्री वर्मा ने लंबित प्रकरणों को अभियान अवधि में ही निराकृत करने के निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने विद्युत सुरक्षा पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। बैठक में विद्युत सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली के खंभों एवं डीपी पर लगे अनावश्यक तारों और जाल को तत्काल हटाया जाए। साथ ही सभी डीपी एवं तारों की जांच कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित किए जाएं, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में भी विद्युत व्यवस्था दुरुस्त रखने पर जोर दिया, क्योंकि वर्तमान में फसल कटाई के दौरान आग लगने की आशंका बनी रहती है।

खाद्य सुरक्षा के संबंध में कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार निरंतर सैंपलिंग की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में डेयरी एवं दूध विक्रेताओं के यहां विशेष अभियान चलाकर सैंपल लिए जा रहे हैं। इनकी जांच के बाद गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सीएम हेल्पलाइन एवं अन्य अभियानों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि अच्छे कार्य करने वालों को प्रोत्साहन एवं कमजोर प्रदर्शन करने वालों पर कार्रवाई दोनों सुनिश्चित की जा रही है।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने जिला योजना एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा इंदौर जिले से संबंधित विकासात्मक गतिविधियों और आधारभूत जानकारियों पर आधारित विकास पुस्तिका का विमोचन भी किया।

बैठक में जिले में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की समीक्षा भी की गई। निर्देश दिए गए कि जल संरक्षण और संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

इंदौर में 'संकल्प से समाधान' अभियान के तहत विकासखंड स्तरीय शिविर आयोजन का सिलसिला प्रारंभ

इंदौर जनपद में अभियान के तहत लगभग साढ़े 13 हजार ग्रामीणों को पहुँचाया गया शासकीय योजनाओं का लाभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में शासन की महत्वाकांक्षी संकल्प से समाधान अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। अभियान के तृतीय चरण में विकासखंड स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन प्रारंभ किया गया है। जिले का पहला शिविर आज नैनोद में आयोजित किया गया। अभियान के अंतर्गत इंदौर जनपद में आयोजित ग्राम स्तरीय शिविरों के माध्यम से लगभग साढ़े 13 हजार ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं, कार्यक्रमों और विभिन्न सेवाओं का लाभ दिया गया।

कार्यक्रम में राऊ विधायक श्री मधु वर्मा, जनपद अध्यक्ष इंदौर श्री विश्वजीत सिंह सिसोदिया (कान्हा पटेल), श्री श्रवण सिंह चावड़ा, श्री रामस्वरूप गेहलोद, जिला पंचायत सदस्य श्री दिलीप पटेल, एसडीएम श्री गोपाल वर्मा, सुश्री निधि वर्मा तथा श्री अजय भूषण शुक्ला, जनपद सीईओ श्रीमती प्रियंका टैगोर, अन्य जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीणों को शासन से सीधे जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं और इससे समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो पाता है।

ग्राम पंचायत नैनोद जनपद इंदौर में संकल्प से समाधान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। नैनोद के शिविर में ग्रामीणों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 125 से अधिक आवेदन प्रस्तुत किए गए, जिनमें से कई समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया।

इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करना एवं शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करना रहा।

साथ ही संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत पूर्व में ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित शिविरों में प्राप्त आवेदनों का भी निराकरण उक्त विकासखंड स्तरीय शिविर में किया गया एवं निराकरण कर हितग्राहियों को अवगत कराया गया।

कलेक्टर सभागृह में वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम की जानकारी देकर वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और सुरक्षा पर दिया गया जोर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के संरक्षण, उनकी सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर सभागृह में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की जानकारी देने के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिक गृहों के लिए निर्धारित न्यूनतम मानकों के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर एसडीएम श्री घनश्याम धनगर ने माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि यह कानून वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षा, सम्मान और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाया गया है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 में किए गए संशोधन के बाद यह अधिनियम और अधिक व्यापक एवं प्रभावी हो गया है, जिससे वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित हो सकी है।

कार्यक्रम में सहायक पुलिस आयुक्त श्रीमती प्रीति तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने और समाज में उनके सम्मान को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय श्री पवन चौहान ने भी संबोधित किया।

कांग्रेस में 'अपनों' की टकराहट- नीमच कांग्रेस में घमासान

जावद में सियासी तापमान तेज, फैसले पर उठे सवाल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के नीमच जिले में कांग्रेस के भीतर चल रही गुटबाजी एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष पद पर बालकिशन धाकड़ की नियुक्ति के बाद पार्टी के स्थानीय नेताओं और उनके समर्थकों के बीच असंतोष बढ़ गया है।

जावद विधानसभा क्षेत्र से उभरते किसान नेता के रूप में पहचान बना चुके बालकिशन धाकड़ को जब पार्टी आलाकमान ने जिम्मेदारी सौंपी, तो कुछ नेताओं ने इसका विरोध शुरू कर दिया। नियुक्ति के बाद लगातार शिकायतों का दौर चलता रहा, जिसके चलते किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिंह चौहान को प्रदेश के 12 जिलाध्यक्षों की नियुक्तियां होल्ड पर रखनी पड़ीं।

हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि किन-किन जिलों के अध्यक्षों की नियुक्ति रोकी गई है, लेकिन जिस तरह से जावद क्षेत्र में सोशल मीडिया पर आरोप-प्रत्यारोप तेज हुए हैं, उससे बालकिशन धाकड़ का नाम भी इस सूची में शामिल होने की चर्चा है।

दिलचस्प बात यह है कि नीमच जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने स्वयं सोशल मीडिया के माध्यम से धाकड़ को बधाई दी थी, जिससे यह संकेत मिलता है कि संगठन का एक बड़ा वर्ग उनके समर्थन में है। इसके बावजूद अंदरूनी खींचान थमने का नाम नहीं ले रही।

जावद विधानसभा में पहले से ही कई दावेदार सक्रिय हैं। समंदर पटेल और सत्यनारायण पाटीदार जैसे नेता चुनावी तैयारी में जुटे हैं, वहीं निष्कासित नेता राजकुमार अहीर की संभावित वापसी भी समीकरणों को बदल सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि समय रहते गुटबाजी पर काबू नहीं पाया गया, तो इसका सीधा फायदा भाजपा को मिल सकता है।

स्थानीय स्तर पर चर्चाएं हैं कि यदि बालकिशन धाकड़ को पहले नियुक्त किया गया है तो उन्हें हटाना पार्टी के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। इससे जावद में नई गुटबाजी और गहराने की आशंका है।

कुल मिलाकर, नीमच कांग्रेस में चल रहा यह विवाद आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। यदि आपसी मतभेद इसी तरह बढ़ते रहे, तो संगठनात्मक एकता पर गंभीर सवाल खड़े हो सकते हैं।

रबी विपणन वर्ष 2026-27 हेतु जिला उपार्जन समिति की बैठक संपन्न

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय मे जिला उपार्जन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आनंद गोले सहित उपार्जन समिति के सदस्य उपस्थित थे। बैठक में अवगत कराया गया कि आगामी रबी विपणन वर्ष 2026-27 में न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 + 40 रूपये बोनस पर गेहूं की खरीदी 1 अप्रैल से की जाएगी। जिले में गत वर्ष अनुसार ही 65 उपार्जन केन्द्रो पर गेहूं खरीदी समर्थन मूल्य पर की जायेगी । बैठक में कलेक्टर ने जिला सहकारी बैंक एवं उपायुक्त, सहकारिता को निर्देशित किया कि उपार्जन केन्द्र पर आवश्यक मूलभूत सुविधाएं छाया, पानी, तौल काटा,छलना,आवश्यक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं मानव संसाधन सुनिश्चित किए जाए। जिला प्रबंधक, एमपीडब्ल्यूएलसी को निर्देशित किया गया है कि उपार्जन केन्द्रों हेतु उपलब्ध रिक्त गोदामों की जानकारी की मैपिंग करवाएं। मण्डी सचिव/तहसीलदार/कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी का संयुक्त निरीक्षण दल बनाये, जो कि सभी मण्डी व्यापारियों का स्टॉक/आवक/जावक का सत्यापन करने के लिए सतत भ्रमण करेंगे।

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को भारत रत्न देने की मांग; नगर में 'क्रांति चौराहे' की होगी स्थापना- नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर

दशपुर जागृति संगठन ने बलिदान दिवस पर आयोजित किया देशभक्तिपूर्ण कार्यक्रम

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महान क्रांतिकारियों के लिए समर्पित देश के प्रथम संगठन दशपुर जागृति संगठन ने 23 मार्च को, भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के बलिदान दिवस (शहीद दिवस) पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में देशभक्त संगठन के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक गांधी चौराहे पहुंचे और मशाल प्रज्वलित कर तीनों शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर ने अपने उद्बोधन में कहा कि संगठन द्वारा भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को 'भारत रत्न' देने की जो मांग की जा रही है, इस आवाज को दिल्ली तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही, संगठन द्वारा तीनों महान क्रांतिकारियों की प्रतिमाएं स्थापित करने हेतु 'क्रांति चौराहे' की जो मांग है, उसे भी जल्द ही संज्ञान में लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन लगातार राष्ट्रभक्ति और राष्ट्र-जागरण का कार्य कर रहा है, इसकी गतिविधियां अत्यंत पवित्र हैं और नगरपालिका इसमें पूरा सहयोग करेगी। संगठन की विचारधारा अब राष्ट्रीय स्तर पर पहचानी जाने लगी है; यह मंदसौर का सौभाग्य है कि आज तीनों महान क्रांतिकारियों को याद किया जा रहा है। इसमें दशपुर जागृति संगठन का बहुत बड़ा योगदान है।

इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा, संगठन के संरक्षक रवींद्र पांडे, संरक्षक राजाराम तंवर, संगठन के वरिष्ठ सदस्य अरुण गौड़ ने भी अपनी बात रखी। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष विनय दुबेला ने कहा कि हम जल्द ही संगठन द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौराहे और क्रांति चौराहे के सपने को पूरा करेंगे। युवा मुकेश नागर ने कहा कि राष्ट्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और इस समय सच्ची देशभक्ति की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि जब देशभक्त युवा सदन में पहुंचेंगे, तभी बड़े परिवर्तन होंगे। कार्यक्रम में परामर्शदाता सुभाष गुप्ता, सीमा चौरडिया (महिला जिला अध्यक्ष), और क्रांतिकारी गायक महेश शर्मा अपने बच्चों के साथ पहुंचे। पुलिस पेंशनर्स संघ के प्रांतीय अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह परिहार ने कहा कि संगठन की 16 वर्षों की मेहनत रंग ला रही है और यही निरंतरता बड़ा परिवर्तन लाएगी। इस दौरान बालू सिंह सिसोदिया एवं गांधी चौराहे के कई वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे। संगठन के वरिष्ठ सत्येंद्रसिंह सोम ने कहा कि देशभक्ति की यात्रा अत्यंत कठिन है, इससे हर कोई नहीं जुड़ता। आज हर कोई नेता बनना चाहता है, लेकिन भगत सिंह बनना कोई नहीं चाहता। जब भ्रष्टाचार के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होगी, तभी राजनीति का शुद्धिकरण होगा। यह जानकारी संगठन के मीडिया प्रभारी जयंत भावसार द्वारा दी गई।

जल ही जीवन है के संकल्प के साथ स्वर्गीय माता जी की पुण्यस्मृति में वाटर कूलर का हुआ शुभारंभ

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मानवता की सेवा और प्यासे राहगीरों की सुविधा के लिए आज एक सराहनीय पहल की गई। स्वर्गीय श्रीमती सजन बाई (धर्मपत्नी श्री भगवतीलाल जी मोहिवाल, बोराव) की पावन पुण्यस्मृति में क्षेत्र में शीतल जल सेवा हेतु भैंसरोड़गढ़ में वाटर कूलर स्थापित किया गया है।

यह जनहित का कार्य श्रीमती कंचन बाई बापुलाल जैन चैरिटेबल ट्रस्ट, बोराव द्वारा किया गया है। जल ही जीवन है के ध्येय वाक्य को सार्थक करते हुए इस वाटर कूलर का उद्देश्य भीषण गर्मी में यहाँ से गुजरने वाले प्रत्येक व्यक्ति को शीतल पेयजल उपलब्ध कराना है। परिवार और ट्रस्ट का मानना है कि निःस्वार्थ सेवा ही किसी भी पुण्यात्मा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होती है।

ट्रस्ट के सदस्य और भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वर्गीय माता जी की स्मृति को चिरस्थाई बनाने और सामाजिक सरोकारों को बढ़ावा देने के लिए ट्रस्ट सदैव तटपर रहता है इस मौके पर समाजसेवी रवि प्रताप सिंह गौड़ सुरेश लबाना शीला शर्मा भगवान सिंह गौड़ शुभम भट्ट सुनील राठौर तरुण पंचोली अशोक आमेटा धर्मेंद्र पूरी गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने ट्रस्ट के इस सेवाभावी प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की पेयजल व्यवस्था से आमजन को बहुत राहत मिलेगी।

नीमच में नगर पालिका का बड़ा एक्शन, जब चलाया बुलडोजर तो मिनटों में हट गई 12 अवैध गुमटियां

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिका परिषद नीमच द्वारा शहर में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए सोमवार को सिटी फोरलेन निर्माण मार्ग पर बुलडोजर चलाकर सड़क किनारे किए गए कब्जे हटाए गए। इस दौरान कलेक्टर कार्यालय से नवीन न्यायालय परिसर तक लगी अवैध गुमटियों को हटाकर जप्त किया गया, जिससे अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया।

कार्रवाई के दौरान नगर पालिका की टीम ने मौके पर पहुंचकर करीब 10 से 12 अवैध गुमटियों को हटाया और शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। लंबे समय से इस क्षेत्र में शासकीय भूमि पर कब्जा कर गुमटियां संचालित की जा रही थीं, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही थी तथा फोरलेन निर्माण कार्य में भी बाधा उत्पन्न हो रही थी। इस संबंध में नगर पालिका को लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। नगर पालिका के राजस्व अधिकारी टेकचंद बुनकर ने बताया कि सीएमओ दुर्गा बामनिया के निर्देश पर गठित टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण हटाने के साथ संबंधित लोगों को सख्त चेतावनी दी गई कि भविष्य में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका की इस कार्रवाई को शहर में अतिक्रमण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है।

सुरक्षा सैनिक भर्ती हेतु कैम्प 25 से 30 मार्च तक

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भर्ती अधिकारी रिजनल ट्रेनिंग सेन्टर जवासा नीमच श्री अरविंद गुर्जर ने बताया कि भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद नई दिल्ली एवं भारत सरकार के पसारा एक्ट 2005 के अन्तर्गत व एनडीआरएफ सिविल डिफेंस भारत सरकार के गृह मंत्रालय एवं जिला प्रशासन के सहयोग से शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार प्रदान करने हेतु रोजगार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सिक्योरिटी, स्किल, काउन्सिलिंग, इण्डिया लिमिटेड जवासा, नीमच के द्वारा ग्रामीण व शहरी शिक्षित युवाओं को सुरक्षा सैनिक के पद पर भर्ती हेतु कैम्पों का आयोजन 25 मार्च से 30 मार्च तक किया जाएगा।

जनपद पंचायत सैलाना में 25 मार्च को, जनपद पंचायत बाजना में 26 मार्च को, जनपद पंचायत पिपलौदा में 27 मार्च को,जनपद पंचायत जावरा में 28 मार्च को, जनपद पंचायत आलोट में 30 मार्च को शिविरों का आयोजन प्रातः 10-30 बजे से दोपहर 03-00 बजे तक किया जाएगा। इस हेतु अभ्यर्थी जिनकी योग्यता 10वीं पास उम्र 18-50 वर्ष ऊंचाई 168-170 सेमी. वजन 56 से 90 किलो हो, वे आवेदन कर सकते हैं। कैम्प में 10 वी की अंकसूची की छायाप्रति, आधार कार्ड, एक पासपोर्ट साईज की फोटो. प्रोपेक्टिस फार्म फीस 350 रूपये चयनित उम्मीदवार ऑनलाईन क्यू आर कोड के माध्यम से देना होगा।

जिला अस्पताल में एचपीवी वैक्सीनेशन के लिए प्रतिदिन चलाए विशेष कैंप

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिती गर्ग की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन स्थित सभागृह में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि जिला अस्पताल में एचपीवी वैक्सीनेशन के लिए प्रतिदिन विशेष कैंप चलाएं। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें तथा अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित करें। नगर पालिका सीएमओ को अभियान में विशेष समन्वय करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पार्षदों के साथ बैठक आयोजित कर बच्चों एवं उनके माता-पिता की काउंसलिंग करने और उन्हें एचपीवी वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया। जिला आपूर्ति अधिकारी को एलपीजी गैस सिलेंडर की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने एवं सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। भूमि आवंटन के संबंध में निर्देशित किया गया कि नगरीय निकाय किसी भी विभाग की भूमि से मार्ग निकालने से पूर्व संबंधित विभाग की अनुमति अनिवार्य रूप से लें। बैठक में राजस्व वसूली की समीक्षा भी की गई। इसके अतिरिक्त अलसी डंठल प्रबंधन पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने किसानों की पहचान कर रेशा निर्माण की दिशा में कृषि विभाग को आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

होटल व्यापारी संगठन ने गैस सिलेंडर को लेकर कलेक्टर को दिया ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार को मंदसौर होटल व्यापारी संगठन के एक प्रतिनिधि मण्डल ने वर्तमान में आ रही कमर्शियल गैस टंकी की समस्या के समाधान को लेकर मंदसौर कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग को ज्ञापन दिया गया। जिसमें होटल व्यवसायियों को भी ज्यादा नहीं तो कम ही गैस की उपलब्धता के लिए सहयोग की मांग की। कलेक्टर ने हमारी मांग को गंभीरता से लेकर सहयोग का आश्वासन दिया है। प्रतिनिधि मंडल में मंदसौर होटल व्यापारी संगठन के पुष्पेंद्र भावसार, विजय पोपट, कैलाश पालीवाल, दिनेश अग्रवाल, नरेश जैन, विकास पोरवाल अंकुश पालीवाल उपस्थित थे।

कर्नाटक राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मिला पीएमयूएमएस का प्रतिनिधि मंडल, टीईटी परीक्षा से उपजे संकट और शिक्षकों की सुरक्षा हेतु सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल थावरचंद गहलोत के आगमन पर पीएमयूएमएस मध्यप्रदेश का प्रतिनिधि मंडल उनसे भेंट करने पहुँचा। प्रतिनिधि मंडल ने वर्तमान समय में प्रदेश सहित देशभर के शिक्षकों से जुड़े अत्यंत संवेदनशील विषय टीईटी परीक्षा को प्रमुखता से महामहिम के समक्ष रखा।

प्रतिनिधि मंडल ने अवगत कराया कि हाल ही में माननीय न्यायालय के एक निर्णय के चलते लाखों शिक्षक परिवारों में गहरा तनाव, असमंजस और भय का वातावरण व्याप्त हो गया है। यह मामला केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से सेवाएं दे रहे शिक्षकों के सम्मान, स्थायित्व और उनके परिवारों के भविष्य से सीधे जुड़ा हुआ है। जिन शिक्षकों ने वर्षों तक शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में अपना योगदान दिया है, आज वही अपने अस्तित्व को लेकर चिंता में हैं। प्रतिनिधि मंडल ने अपने ज्ञापन में यह स्पष्ट रूप से उल्लेख किया कि यदि इस विषय पर समय रहते संवेदनशीलता

के साथ उचित निर्णय नहीं लिया गया, तो इसका व्यापक सामाजिक प्रभाव देखने को मिल सकता है। शिक्षक समाज में उत्पन्न यह असुरक्षा का भाव शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता को भी प्रभावित कर सकता है। महामहिम महोदय को सौंपे गए ज्ञापन में यह निवेदन किया गया कि वे इस गंभीर विषय पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए केंद्र एवं राज्य शासन को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करें, ताकि देशभर के शिक्षकों को न्याय मिल सके और उनके मन में व्याप्त भय एवं असमंजस की स्थिति समाप्त हो। प्रतिनिधि मंडल ने विश्वास व्यक्त किया कि महामहिम महोदय इस विषय की गंभीरता को समझते हुए शिक्षकों के हित में सकारात्मक पहल करेंगे और न्याय सुनिश्चित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह भेंट केवल एक औपचारिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि शिक्षक समाज की पीड़ा, चिंता और उम्मीदों को सीधे महामहिम तक पहुँचाने का एक सार्थक प्रयास था। अब पूरे शिक्षक समाज की निगाहें इस पर टिकी हैं कि आने वाले समय में इस दिशा में क्या सकारात्मक कदम उठाए जाते हैं। प्रतिनिधि मण्डल मे पीएमयूएमएस के प्रदेश महामंत्री विनोद राठौर, पीएमयूएमएस नीमच जिलाध्यक्ष अशोक पिछोलिया, पीएमयूएमएस मंदसौर जिला अध्यक्ष गोविंदराम गेहलोत जिला प्रवक्ता लक्ष्मीनारायण पाटीदार पीएमयूएमएस मंदसौर ब्लाक उपाध्यक्ष महेश कुमार चौहान उपस्थित रहे।

जिले की भांग एवं भांग घोटा दुकानों का निष्पादन टेंडर प्रक्रिया से होगा

टेंडर प्रपत्र 27 मार्च तक जमा किए जा सकेंगे

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आबकारी अधिकारी नीमच ने बताया कि नीमच जिले की 5 भांग और 1 भांग-घोटा की फुटकर बिक्री की दुकानों के लायसेंसियों के लिए टेण्डर प्रक्रिया वर्ष 2026-27 के लिए आयोजित की जा रही है, जिसकी अवधि 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक होगी।

टेण्डर प्रक्रिया की महत्वपूर्ण तिथियाँ - टेण्डर पत्र कय करने की तिथि- 25 मार्च 2026 को प्रातः 10-00 बजे से 27 मार्च 2026 को अपरान्ह 02-00 बजे तक रहेगी।

- टेण्डर पत्र जमा करने की तिथि- 25 मार्च 2026 को प्रातः 10-30 बजे से 27 मार्च 2026 को अपरान्ह 03-00 बजे तकहै।

- टेण्डर पत्र खोलने की तिथि- 27 मार्च 2026 को अपरान्ह 03-30 बजे से कार्यवाही पूर्ण होने तक।

टेण्डर में भाग लेने के लिए- इच्छुक व्यक्ति जिला आबकारी कार्यालय नीमच (संयुक्त कलेक्टर भवन) में नियमानुसार टेण्डर पत्र क्रय कर , टेण्डर जमा कर सकते हैं। वर्ष 2026-27 के लिए संबंधित भांग/भांग-घोटा की फुटकर बिक्री की दुकानों के समूह, उनके आरक्षित मूल्य, देय अनेष्ट मनी आदि की जानकारी (सेल पेपर) जिला आबकारी कार्यालय से नि शुल्क प्राप्त की जा सकती हैं।

यदि किसी कारणवश 27 मार्च 2026 को टेण्डर की कार्यवाही पूरी नहीं होती है, तो कलेक्टर नीमच द्वारा अन्य घोषित दिन व समय पर टेण्डर की कार्यवाही की जा सकेगी।

डी.एम.एफ.से स्वीकृत सभी कार्य समय सीमा में पूर्ण कर सीसी जारी करें - श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डी.एम.एफ से जिले मे स्वीकृत सभी कार्य समय सीमा में पूर्ण करवा कर कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मण्डल की बैठक में डी.एम.एफ. से स्वीकृत कार्यो की प्रगति की विधान सभावार समीक्षा करते सभी क्रियान्वयन एजेसियों के अधिकारियों को दिए गये। बैठक में विधायक नीमच श्री दिलीप सिंह परिहार,विधायक मनासा श्री अनिरूद्ध मारू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जन सिंह चौहान ,जिला पंचायत सीईओं श्री अमन वैष्णव, जिला योजना अधिकारी श्री पराग जैन एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने प्रगतिरत सभी निर्माण कार्य 30 अप्रैल तक पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। साथ ही जो कार्य भोतिक रूप से पूर्ण हो गये है उनके कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र(सी.सी) जारी करने के निर्देश भी सम्बधित विभाग को दिए है । बैठक में विधायक श्री परिहार, श्री मारू एवं जि.प. अध्यक्ष श्री चौहान ने भी अपने सुझाव दिए।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अधिकाधिक जल संरक्षण के कार्य चिन्हित कर तेजी से पूर्ण करवाएं -श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में गत 19 मार्च से प्रारंभ जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सभी विभाग जल संरक्षण संरचनाओं के अधिकाधिक कार्य चिन्हित कर अपने विभाग की विस्तृत कार्य योजना तैयार कर, उसका समय सीमा में क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। इस अभियान में किसी भी प्रकार की उदासीनता बर्दाश्त नही की जावेगी।यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभा कक्ष नीमच में जल गंगा सवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान सभी विभागों के जिला अधिकारियों को दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओं श्री अमन वैष्णव ,डीएफओं श्री एस.के. अटोदे , जल संसाधन , लो.स्वा.यां.विभाग , ग्रा.या.सेवा., लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री, उपयंत्री सहायक यंत्री एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

नीमच में 24,25 एवं 26 को प्रशिक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना 2027 के लिए फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण 24 से 26 मार्च 2026 तक प्रातः 10.30 बजे से सांय 5 बजे तक जिला आयुष कार्यालय नीमच में आयोजित किया जा रहा है । एडीएम श्री बी.एस. कलेश ने सभी फील्ड ट्रेनर्स को इस प्रशिक्षण में उपस्थित होने के निर्देश दिए है।

शहीदों के नाम युवाओं का संकल्प—नीमच में तीन दिन तक गूंजा देशभक्ति का जोश, भगत सिंह, शिवराम राजगुरु और सुखदेव थापर को नमन—युवा शक्ति ने संभाली जागरूकता की कमान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहीद दिवस के अवसर पर युवाओं ने देशभक्ति और जागरूकता का अनोखा संदेश दिया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में मेरा युवा भारत नीमच द्वारा 21 से 23 मार्च 2026 तक तीन दिवसीय जागरूकता अभियान का सफल आयोजन किया गया। यह अभियान महान क्रांतिकारियों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव थापर के बलिदान को समर्पित रहा। कार्यक्रम की शुरुआत अमर शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने से हुई, जिसके बाद टीवीएस शोरूम से मेसी शोरूम चौराहा तक भव्य पदयात्रा निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में युवा स्वयंसेवकों ने भाग लिया और देशभक्ति के नारों से पूरे शहर का माहौल ओजस्वी बना दिया। अभियान के दौरान रोड सेफ्टी जागरूकता कार्यक्रम, स्वच्छता रन, श्रमदान और स्वच्छता अभियान जैसी कई गतिविधियां आयोजित की गईं। 21 मार्च से 'मेरा भारत' पोर्टल के माध्यम से गुमनाम नायकों पर आधारित ऑनलाइन क्विज और एक युवा ऐसा भी विषय पर रील प्रतियोगिता भी रखी गई, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 22 मार्च को श्रमदान के तहत सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया, वहीं सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया गया। जिला युवा अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव के निर्देशन में आयोजित यह तीन दिवसीय अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने यह साबित कर दिया कि शहीदों की विरासत आज भी युवा पीढ़ी के दिलों में जिंदा है।

सम्पादकीय

स्त्री शिक्षा, सुरक्षा पर गंभीर विमर्श की आवश्यकता

किसी भी लोकतांत्रिक समाज की प्रगति का आकलन उसकी आधी आबादी अर्थात स्त्रियों की स्थिति से किया जाता है। यह तथ्य आज केवल विचार नहीं बल्कि वैश्विक विकास सूचकांकों का आधार बन चुका है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में स्त्री की स्थिति एक ओर उल्लेखनीय प्रगति का संकेत देती है तो दूसरी ओर गंभीर चुनौतियों की ओर भी ध्यान आकृष्ट करती है।

स्त्री शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का आधार स्तंभ होती है, बीते कुछ दशकों में भारत में स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार देखने को मिला है, बालिका नामांकन दर में वृद्धि, माध्यमिक शिक्षा में लैंगिक अंतर में कमी और उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी ने सामाजिक संरचना को नया स्वरूप दिया है। विशेष रूप से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा और प्रशासनिक सेवाओं में महिलाओं की उपस्थिति यह दर्शाती है कि शिक्षा स्त्री सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम बन रही है, किंतु यह भी यथार्थ है कि ग्रामीण, आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों में बालिकाओं की शिक्षा अब भी सामाजिक दबाव, घरेलू श्रम और बाल विवाह जैसी समस्याओं से प्रभावित है। वर्तमान सामाजिक परिदृश्य में स्त्री की स्थिति आधुनिक भारत की स्त्री आज शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में पहले की तुलना में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रही है, पंचायत से लेकर संसद तक उसकी भागीदारी बढ़ी है और प्रशासनिक सेवाओं में महिलाओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है, इसके बावजूद घरेलू स्तर पर निर्णय लेने की स्वतंत्रता, समान वेतन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे अब भी पूर्ण समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं, यह स्थिति इस तथ्य को रेखांकित करती है कि कानूनी अधिकार और सामाजिक स्वीकृति के बीच अभी भी एक स्पष्ट अंतर विद्यमान है।

स्त्रियों के विरुद्ध अपराध चिंता का विषय है हाल के वर्षों में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के स्वरूप में भी बदलाव आया है, पारंपरिक अपराधों के साथ-साथ साइबर अपराध,ऑनलाइन उत्पीड़न और डिजिटल माध्यमों के दुरुपयोग से जुड़ी घटनाएँ तेजी से बढ़ी हैं, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, दहेज से संबंधित मामले और सार्वजनिक स्थलों पर असुरक्षा की घटनाएँ यह संकेत देती हैं कि शहरीकरण और तकनीकी प्रगति के बावजूद सामाजिक मानसिकता में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया है, यह स्थिति न केवल कानून व्यवस्था बल्कि सामाजिक चेतना के स्तर पर भी गंभीर आत्ममंथन की मांग करती है। कानूनी प्रावधान और प्रशासनिक दायित्व पर एक दृष्टि डालें तो भारत में महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों के संरक्षण के लिए सुदृढ़ कानूनी ढांचा उपलब्ध है, जिसमें घरेलू हिंसा निषेध अधिनियम, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संरक्षण कानून, दहेज निषेध अधिनियम तथा हाल के आपराधिक कानून संशोधन शामिल हैं, किंतु प्रशासनिक दृष्टि से चुनौती इन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, त्वरित न्याय और पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण की है, पुलिस, न्यायपालिका और स्थानीय प्रशासन के समन्वय के बिना केवल कानूनों का अस्तित्व पर्याप्त नहीं सिद्ध हो सकता। आर्थिक सहभागिता और विकास की अनिवार्यता – स्त्रियों की आर्थिक भागीदारी को राष्ट्रीय विकास की अनिवार्य शर्त के रूप में स्वीकार किया जा चुका है, स्वयं सहायता समूहों, सूक्ष्म वित्त योजनाओं, ग्रामीण उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति ने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान किए हैं, फिर भी श्रम बाजार में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षाकृत कम बनी हुई है, जिसका कारण सामाजिक जिम्मेदारियों का असमान बोझ, कार्यस्थल पर सुरक्षा की कमी और अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार की अधिकता है। मीडिया और सामाजिक दृष्टिकोण में मीडिया स्त्री की छवि निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, सकारात्मक उदाहरणों के साथ-साथ यह भी आवश्यक है कि स्त्री को संवेदनशीलता के साथ सम्मानजनक और संतुलित रूप में प्रस्तुत किया जाए, जिससे समाज में समानता और गरिमा का संदेश सुदृढ़ हो सके। भविष्य की दिशा और नीतिगत अपेक्षाएँ देखीं जाएं तो स्त्री की स्थिति में वास्तविक सुधार के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार को समग्र दृष्टिकोण से जोड़ना होगा, साथ ही सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन के लिए पुरुषों और बालकों को भी लैंगिक समानता के मूल्यों से जोड़ना अनिवार्य होगा, यह केवल महिला केंद्रित योजनाओं से नहीं बल्कि सामाजिक सहभागिता और प्रशासनिक संवेदनशीलता से संभव है। स्त्री की स्थिति किसी एक वर्ग या समुदाय का विषय नहीं बल्कि राष्ट्र की सामाजिक परिपक्वता और लोकतांत्रिक गुणवत्ता का दर्पण है, जब तक स्त्रियाँ भयमुक्त वातावरण में शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में समान अवसर प्राप्त नहीं करेंगी तब तक समावेशी विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा, इसलिए स्त्री सशक्तिकरण को नीतिगत प्राथमिकता के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में भी स्वीकार किया जाना समय की आवश्यकता है।

स्वयं को जानकर ही निर्भय जीवन? जिया जा सकता है

मन को? बस में करना सबसे कठिन काम है। मन अच्छे से अच्छे भले मनुष्य को भी अमानुष बना देता है। मन से विवश हो इंसान कई बार गलत कदम उठा लेता है और ऐसा वह भयभीत होकर करता है। और सत्य यही है कि जहाँ ईश्वर पर विश्वास कम होता भय वहीं स्थान बनाता है। ईश्वर से डरकर की जाने वाली पूजा, उपवास और मंदिरों के दर्शन? भी अविश्वास की श्रेणी में ही आता है।

इंसान जब भी किसी चीज में मात खाता है, आकस्मिक कोई व्यथा जीवन में आती है। वह भगवान के पास दौड़ता है।   यह दौड़ आकस्मिक आये व्यवधान या अशांति से मुक्ति पाने को लेकर होती है, ईश्वर को पाने की आकांक्षा से नहीं होती।   पर, यदि खोज ईश्वर को पाने की हो तो सारे व्यवधान के दूर होने में वक्त? नहीं? लगता।

एक भक्त को कभी किसी से डरना नहीं चाहिए क्योंकि उसके पीठ पर सदैव ईश्वर का हाथ रहता है, इस सच्चाई को मानने से ही शांतिपूर्वक जिया जा सकेगा। लेकिन, इस मन का क्या करें? मन को बस में करना है तो ईश्वर को मानने की जगह ईश्वर को धारण करना होगा।   ईश्वर को धारण करना सर्वाधिक आसान है। दरअसल, ईश्वर हमारे अंदर है, इस बात को अनुभव करना है, जानना है। हम उन्हें धारण किये हुये हैं, यथार्थ किये हुये हैं बस उस अनुभूति को पाना? है।

सहज योग के माध्यम से हम स्वयं को जानते हैं, मानते हैं, और बेहिसाब भय और नकारात्मकता से दूर हो जाते हैं। खुद को जानना आत्मसाक्षात्कार है - माध्यम है सहज? योग। सारे देवी देवता चाहे वो किसी भी धर्म के हो, हमारे अंदर विराजमान हैं। हमें अपने चैतन्य रुप में अनुभूति देते हैं, अपने सद्गुणों से हमें आशिर्वादित करते हैं? और हममें बदलाव आ जाता है।   हम जान लेते हैं हम आत्मा मात्र हैं और स्वयं के गुरु भी।

परमपूज्य श्री माताजी के इन शब्दों से हममें और अधिक आत्मविश्वास आयेगा, जो उनके 7 मार्च 1981 के प्रवचन का अंश? है,

आपको बस खुद को स्वीकार करना होगा, बस इतना ही। सहज योग उतना ही सरल है।आप मेरे सामने एक सरल प्रश्न पूछें- माँ, क्या मैं आत्मा हूँ, क्या मैं अपना शिक्षक हूँ? आप अपने शिक्षक स्वयं हैं, लेकिन आपको पहले आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करना होगा। इससे पहले, माँ आपकी शिक्षक है, लेकिन एक बार जब आप अपना आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर लेते हैं तो आप स्वयं अपने शिक्षक होते हैं... अब मैं जो करता हूँ वह आपको अपने हृदय में गर्भ धारण करना है और आपके सहस्त्रार के माध्यम से आपको बेदाग जन्म देना है... पाप क्या कर सकते हैं क्या आप ईश्वर के प्रेम के सागर की तुलना में प्रतिबद्ध हैं? मैं प्रेम के सागर की बात कर रहा हूं. इसलिए यदि प्रकाश को आपमें आना है तो अपने प्रति दयालु बनें। खुद के लिए दयालु रहें। आप आत्मा के मंदिर हैं।

सेवा का सूर्योदय, इतिहास का सूर्यास्त नहीं: मोदी ने रचा अमर महाकाव्य

जब सेवा केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य बन जाए, तब हर कदम इतिहास की सुनहरी धारा में अंकित हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वह अद्वितीय और प्रेरक शिखर छू लिया, जो पहले केवल कल्पनाओं और स्वप्नों में ही संभव प्रतीत होता था। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में प्रारंभ हुई उनकी दूरदर्शी, संघर्षपूर्ण और प्रेरक यात्रा, और प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद, आज वे भारत के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित, आदरणीय और जनप्रिय सरकार प्रमुख बन चुके हैं। पूर्व सिक्किम मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए उन्होंने यह जीवंत और अभूतपूर्व संदेश दिया कि लोकतंत्र में जनता का विश्वास कितना अडिग, अपराजेय, अविचलनीय और प्रगाढ़ हो सकता है। यह कोई सामान्य उपलब्धि नहीं, बल्कि 8,931 दिनों की अनवरत निष्ठा, अथक परिश्रम, निस्वार्थ समर्पण, हृदयस्पर्शी जनसंपर्क और हर नागरिक के कल्याण की अपार प्रतिबद्धता का अनमोल प्रतीक है।

गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के बाद से लेकर आज तक मोदी जी की हर सुबह नई चुनौतियों और नए संकल्पों से शुरू हुई। 2001 में जब उन्होंने राज्य की बागडोर संभाली, तब गुजरात आपदा और अराजकता के बीच जूझ रहा था। मात्र 13 वर्षों में उन्होंने उसे विकास का प्रतीक बना दिया ङ्क 'वाइब्रेंट गुजरात' से लेकर द्वीपों के कोनों तक बुनियादी ढाँचा, रोजगार और समृद्धि का ऐसा जाल बुन दिया, जो आज हर नागरिक के जीवन को छूता है। हर घर में बिजली, पानी, सड़क और स्वच्छता जैसी छोटी-छोटी बातें उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाकर 'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र साकार किया। 8,931 दिनों में उन्होंने कभी व्यक्तिगत आराम नहीं लिया, कभी परिवार की चिंता नहीं की, सिर्फ राष्ट्र और जनता की भलाई की। यही कारण है कि आज हर गाँव, हर शहर में उनका नाम 'विकास पुरुष' के रूप में गूँजता है।

26 मई 2014 को जब उन्होंने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, तब देश एक नए युग की दहलीज पर खड़ा था। 2019 और 2024 में लगातार जनता ने उन्हें चुनकर यह स्पष्ट कर दिया कि नेतृत्व में निरंतरता और दृढ़ता कितनी महत्वपूर्ण है। इन 4,319 दिनों के प्रधानमंत्रित्व में उन्होंने सिर्फ नीतियाँ नहीं बनाई, बल्कि करोड़ों जीवन संवार दिए। उज्ज्वला योजना से लेकर आयुष्मान भारत, जन धन योजना से लेकर डिजिटल इंडिया ङ्क हर योजना के पीछे छुपी है किसी गरीब परिवार, किसी किसान या किसी महिला की एक छोटी-सी उम्मीद और कहानी। 8,931 दिनों की इस सेवा में उन्होंने कभी राजनीतिक विरोध को बहाना नहीं बनाया, बल्कि हर चुनौती को अवसर में बदलकर दिखाया। यही उनका अद्वितीय और प्रेरक अंदाज है।

आज जब हम 8,931 दिनों की गिनती करते हैं, तो हर दिन अपने आप में एक प्रेरक, साहसिक और उत्थानकारी कहानी बन जाता है। कभी आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक संघर्ष, कभी वैश्विक महामारी में टीकाकरण का अद्भुत चमत्कार, कभी आर्थिक संकट के समय आत्मनिर्भर भारत के आदर्श का नारा ङ्क हर घटना में नेतृत्व की दृढ़ता और दूरदर्शिता झलकती है। मोदी जी ने यह स्पष्ट कर दिया कि चुना हुआ नेता केवल सत्ता का प्रतीक नहीं, बल्कि निस्वार्थ सेवा, जनता के प्रति जिम्मेदारी और देशभक्ति का प्रतीक भी हो सकता है। उन्होंने पद की गरिमा कभी नहीं खोई, सत्ता के लालच में कभी नहीं डूबे। उनकी हर यात्रा, हर भाषण और हर निर्णय पूर्णतया जनता के हित और राष्ट्र के कल्याण के लिए रहा। छोटी-छोटी बातें ङ्क 'मैं हूँ ना' का भरोसा, 'मन की बात' में आम आदमी से सहज और सीधे संवाद ङ्क इन्हीं ने उन्हें हर नागरिक का अपना और पूरे देश का प्रेरक नेता बना दिया।

इस रिकॉर्ड के पीछे छिपा है अडिग संकल्प, अपराजेय इच्छाशक्ति और निस्वार्थ सेवा की प्रेरक भावना। 8,931 दिन मतलब 8,931 रातें जागना, 8,931 सुबहें नई उम्मीद, नई चुनौतियाँ और नए संकल्प लेकर उठना। उन्होंने कभी छुट्टी नहीं ली, कभी थकान को स्वीकार नहीं किया। गुजरात से दिल्ली तक की इस अद्वितीय और प्रेरक यात्रा में उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि लोकतंत्र में अगर इरादा मजबूत हो, तो कोई भी रिकॉर्ड असंभव नहीं है। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जी-20 की अध्यक्षता कर चुका है, और वैश्विक पटल पर 'विश्वगुरु' बनने की ओर अग्रसर है ङ्क यह सब 8,931 दिनों की अथक, निस्वार्थ और प्रेरक सेवा का परिणाम है।

लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि यह रिकॉर्ड केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि भावनाओं, विश्वास और जनता के प्रति सच्चे समर्पण का प्रतीक है। हर माँ, बहन, किसान और युवा आज महसूस करता है कि उनके लिए कोई है जो कभी नहीं रुकता, जो उनके सुख-दुःख में हर पल खड़ा रहता है। मोदी जी ने सत्ता को सेवा में बदल दिया। उन्होंने दिखाया कि चुना हुआ नेता केवल पद का अधिकारी नहीं, बल्कि जनता के लिए अडिग सहारा, मार्गदर्शक और प्रेरणा बन सकता है। 8,931 दिन की इस यात्रा में उन्होंने कभी व्यक्तिगत लाभ नहीं लिया, केवल राष्ट्र और जनता के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। यही वजह है कि आज पूरा देश उन्हें श्रद्धा, सम्मान और गर्व के साथ सलाम करता है।

इस ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण पल पर हमें गर्व होना चाहिए। 8,931 दिन का 'मोदी युग' केवल एक नेता की कहानी नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक आकांक्षा, उनके विश्वास, उनकी मेहनत और उनके सपनों की प्रेरक कहानी है। यह स्पष्ट करता है कि जब जनता का भरोसा अडिग और गहरा हो, तो कोई भी रिकॉर्ड असंभव नहीं। आगे भी यही निष्ठा, यही समर्पण और यही दूरदर्शिता भारत को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगी। नरेंद्र मोदी ने इतिहास रच दिया है ङ्क अब आने वाली पीढ़ियाँ इस 'मोदी युग' को पढ़ेंगी, समझेंगी और सीखेंगी कि सच्ची सेवा, निस्वार्थ समर्पण और जनहित कभी थकते या रुकते नहीं।

-प्रो. आरके जैन

प्रासंगिकता खोता संयुक्त राष्ट्र

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य संघर्ष और रूस-यूक्रेन जैसे युद्धों ने न सिर्फ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित किया है, बल्कि भू-राजनीतिक तनावों ने विश्व के समक्ष आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। ऊर्जा की कीमतों में तीव्र बढ़ोतरी ने न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था को अस्थिर कर दिया है, बल्कि मुद्रा विनिमय दरों पर दबाव बढ़ने से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं भी प्रभावित हो रही हैं। आज हर देश, चाहे वह विकसित हो या विकासशील महंगाई, बेरोजगारी और धीमी आर्थिक वृद्धि जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है।

विश्व की बदलती भू-राजनीति केवल राजनीतिक संतुलन को ही प्रभावित नहीं कर रही, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका को भी गहराई से प्रभावित कर रही है। इन परिस्थितियों में संयुक्त राष्ट्र से यह अपेक्षा थी कि वह विभिन्न देशों के बीच संवाद स्थापित कर, संघर्षोन को रोककर और कूटनीतिक समाधान निकालकर वैश्विक स्थिरता बनाए रखेगा।

किंतु वास्तविकता यह है कि संयुक्त राष्ट्र इन अपेक्षाओं पर पूर्णतः खरा नहीं उतर पाया है। बड़े देशों के बीच बढ़ते अविश्वास, हितों के टकराव और शक्ति राजनीति के कारण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जैसी संस्था भी निर्णायक हस्तक्षेप करने में असमर्थ रही है। परिणामस्वरूप न केवल युद्ध लंबे समय तक चल रहे हैं, बल्कि उनका प्रभाव विश्व अर्थव्यवस्था पर और अधिक गहरा होता जा रहा है।

पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के बीच बढ़ते तनाव के दौरान संयुक्त राष्ट्र की चेतावनियां केवल प्रतीक मात्र बनकर रह गई हैं। एक ओर संयुक्त राष्ट्र के मंच से शांति और संवाद की बात की जाती है, दूसरी ओर जमीनी स्तर पर मिसाइल हमले, सैन्य कार्रवाई और नागरिक हताहतों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह अंतर केवल कूटनीतिक कमजोरी का नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन की वास्तविकता का भी प्रतीक है, जहां शक्तिशाली देश अपने रणनीतिक हितों के अनुसार कार्य करते हैं और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की अपीलों को नजरअंदाज कर देते हैं।

स्पष्ट है कि संयुक्त राष्ट्र की कूटनीतिक प्रक्रिया वर्तमान समय की तेज और जटिल युद्ध परिस्थितियों के अनुरूप नहीं है। जहां एक ओर युद्ध तेजी से बदले हैं, वहीं दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत धीमी और औपचारिक होती है जिससे इसकी विश्वसनीयता एवं प्रासंगिकता भी लगभग खत्म हो चुकी है।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर देशों के बीच सहयोग, संवाद, शांति और भविष्य के युद्धों को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई थी। प्रारंभिक दशकों में इस संस्था ने कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं, परंतु बदलती वैश्विक परिस्थितियों में इसकी संरचना और कार्यप्रणाली अब समय के साथ सामंजस्य नहीं बिठा पा रही है। उस समय शक्ति संतुलन कुछ चुनिंदा देशों के हाथ में केंद्रित था, जबकि आज वैश्विक शक्ति बहुध्रुवीय हो चुकी है।

-धनंजय राजौरा

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंततः नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है।

हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बढ़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द-गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन देता है, वही वास्तव में शक्तिशाली देश होता है। युद्ध और हथियार केवल विनाश लाते हैं, विकास नहीं। इसलिए दुनिया को यह तय करना होगा कि उसे हथियारों की दुनिया बनानी है या मानवता की दुनिया। यदि वर्तमान परिस्थितियों में युद्ध नहीं रुके और हथियारों की होड़ इसी तरह बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में दुनिया को महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी, ऊर्जा संकट और सामाजिक अस्थिरता जैसे अनेक संकटों का सामना करना पड़ सकता है। यह स्थिति पूरी मानवता के लिए खतरनाक होगी। इसलिए अब समय आ गया है कि विश्व के सभी देश अपने संकीर्ण राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर वैश्विक हितों के बारे में सोचें और युद्ध के बजाय शांति, सहयोग और सहअस्तित्व का मार्ग अपनाएं। मानव सभ्यता का भविष्य हथियारों से नहीं, बल्कि शांति, संवाद और सहयोग से सुरक्षित हो सकता है। यही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही मानवता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी।

युद्ध का अंधेरा मानवता को केवल विनाश, महंगाई, भय और अस्थिरता देता है, जबकि दुनिया को आज शांति, संवाद और स्थिरता का उजाला चाहिए, और इस दिशा में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। आज वैश्विक परिदृश्य में भारत केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं बल्कि एक नैतिक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का व्यक्तित्व एक ऐसे विश्व नेता के रूप में उभरा है जो युद्ध नहीं, संवाद-संघर्ष नहीं, सहयोग और हिंसा नहीं, सहअस्तित्व की बात करता है। भारत बुद्ध, महावीर और गांधी की अहिंसा की परंपरा का देश है, इसलिए भारत यदि सक्रिय कूटनीतिक पहल करे, युद्धरत देशों के बीच संवाद का सेतु बने, संयुक्तराष्ट्र के मंच पर युद्ध विराम की ठोस पहल करे, तो वह विश्व राजनीति को नई दिशा दे सकता है। मोदी यदि शांति, अहिंसा, वैश्विक संवाद और आर्थिक सहयोग के चार सूत्रों पर विश्व को साथ लाने की पहल करें तो भारत वास्तव में विश्व शांति का मार्गदर्शक बन सकता है और युद्ध की दिशा में बढ़ती दुनिया को शांति और स्थिरता की दिशा में मोड़ने में ऐतिहासिक भूमिका निभा सकता है।

-ललित गर्ग

महिला सुरक्षा संस्थाओं का पतन

महाराष्ट्र महिला आयोग की तत्कालीन अध्यक्ष रूपाली चाकणकर द्वारा एक बलात्कार आरोपी ज्योतिषी अशोक खरात उर्फ कैप्टन के पैर धोने का दृश्य सोशल मीडिया पर फैलते ही पूरे देश में हंगामा मच गया। यह घटना केवल एक व्यक्तिगत चूक नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण के नाम पर बने संस्थानों की आंतरिक कमजोरी का प्रतीक है। एक ऐसे व्यक्ति के चरणों में नतमस्तक होना, जिस पर 58 महिलाओं के यौन शोषण, गुप्त कैमरे लगाने और नशीले पदार्थों के माध्यम से अंधविश्वास का लाभ उठाने के आरोप हैं, नारीवाद के सिद्धांतों पर गहरा आघात है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर चाकणकर ने 20 मार्च 2026 को इस्तीफा दे दिया, लेकिन प्रश्न बना हुआ है–क्या यह राजनीतिक नियुक्ति प्रणाली का परिणाम है?

भारतीय संदर्भ में महिला आयोग राज्य स्तरीय संस्थाएँ हैं, जो संविधान के अनुच्छेद 15 और 39 के अंतर्गत महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए स्थापित की गई हैं। लेकिन जब इन संस्थाओं का प्रमुख स्वयं एक आरोपी के प्रति श्रद्धा दिखाए, तो पीड़ित महिलाओं का विश्वास कैसे बनेगा? नासिक पुलिस ने खरात के फार्महाउस से 58 आपत्तिजनक वीडियो बरामद किए, जो यह सिद्ध करते हैं कि अंधविश्वास कितना खतरनाक हो सकता है। यह घटना हमें सामाजिक, राजनीतिक और कानूनी स्तर पर गंभीर चिंतन के लिए बाध्य करती है।

अशोक खरात कोई साधारण ज्योतिषी नहीं था। वह 'कैप्टन' के नाम से जाना जाता था, जो नेताओं से लेकर आम महिलाओं तक को अपनी कथित पूजा-पाठ और हस्तरेखा देखने के बहाने फंसाता था। पुलिस जांच में सामने आया कि उसने फार्महाउस पर गुप्त कैमरे लगाए थे, महिलाओं को नशीला पदार्थ पिलाया और उनका शोषण किया। पेन ड्राइव में 58 वीडियो मिले, जो उसके अपराधों के ठोस प्रमाण हैं। नासिक के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि खरात की संपत्ति लगभग 200 करोड़ रुपये की है, जो शोषण के माध्यम से अर्जित की गई है।

भारत में अंधविश्वास का यह बाजार नया नहीं है। तंत्र-मंत्र, ज्योतिष और तथाकथित बाबाओं का प्रभाव ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों तक फैला हुआ है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में अंधविश्वास से जुड़े अपराधों में 15 प्रतिशत वृद्धि हुई है। खरात ने कई नेताओं के हाथ देखे, जिनमें रूपाली चाकणकर भी शामिल थीं। एक वीडियो में वे यह कहते हुए दिखाई देती हैं कि ÷आप जैसे महापुरुष दुर्लभ हैं।÷ यह श्रद्धा किस प्रकार अपराधी को संरक्षण देती है, यह गंभीर विचार का विषय है। राजनीतिक प्रभाव के कारण आरोपी को छूट मिली, जो व्यवस्था की खामियों को उजागर करता है।

रूपाली चाकणकर भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता हैं, जिन्हें महिला आयोग का अध्यक्ष बनाया गया था। वीडियो सामने आने के बाद विपक्ष ने उनके इस्तीफे की मांग की। उन्होंने 'व्यक्तिगत कारणों' से इस्तीफा दे दिया, परंतु विशेष जांच दल की जांच जारी है। क्या वे आरोपी की सहयोगी थीं? विपक्ष ने उन्हें सह-आरोपी बनाने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने तत्काल इस्तीफे का निर्देश दिया, जो सराहनीय कदम है। यह घटना राजनीतिक नियुक्ति प्रणाली की समस्या को उजागर करती है, जहाँ योग्यता की बजाय वफादारी को प्राथमिकता दी जाती है।

महिला आयोग का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना है, लेकिन वास्तविकता अलग है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 30 प्रतिशत महिलाएँ घरेलू हिंसा का सामना करती हैं, लेकिन आयोगों तक पहुँचने वाली शिकायतें 5 प्रतिशत से भी कम हैं। इसका कारण जागरूकता की कमी, भय और राजनीतिक दबाव है। हरियाणा जैसे राज्यों में भी यही स्थिति है, जहाँ अंधविश्वास और बाबाओं का प्रभाव अधिक है और राजनीतिक नेता इन्हें वोट बैंक के लिए बढ़ावा देते हैं।

अंधविश्वास महिला शोषण का एक प्रमुख माध्यम बन चुका है। कई तथाकथित बाबा 'काला जादू हटाने' के नाम पर महिलाओं का शोषण करते हैं। शिक्षा के बावजूद अंधविश्वास का बढ़ना चिंताजनक है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 40 प्रतिशत लोग अंधविश्वास पर विश्वास करते हैं। महिला सशक्तिकरण के दावों के बीच यह एक विडंबना है।

कानून के अनुसार, भारतीय दंड संहिता की धारा 376, पोक्सो कानून और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम ऐसे अपराधों को नियंत्रित करते हैं। फिर भी सजा की दर 30 प्रतिशत से कम है। त्वरित सुनवाई की कमी के कारण अपराधी खुले घूमते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने हुसैनाारा खातून मामले में त्वरित सुनवाई को संविधान के अनुच्छेद 21 का हिस्सा माना था।

महाराष्ट्र में विशेष जांच दल का गठन एक सकारात्मक कदम है, लेकिन पारदर्शिता आवश्यक है। सुझाव के रूप में महिला आयोगों को स्वायत्त बनाया जाना चाहिए, राजनीतिक नियुक्तियों को रोका जाना चाहिए, अंधविश्वास विरोधी कानून को मजबूत किया जाना चाहिए (जैसे झारखंड मॉडल), और डिजिटल माध्यमों से जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। साथ ही, पुलिस प्रशिक्षण में लैंगिक संवेदनशीलता को शामिल किया जाना चाहिए।

वैश्विक स्तर पर विश्व आर्थिक मंच की जेंडर गैप रिपोर्ट में भारत का स्थान 127वाँ है। ऐसी घटनाएँ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक छवि प्रस्तुत करती हैं। अन्य देशों में सरू्द्धञ्जश्रश्र आंदोलन इसलिए सफल हुआ क्योंकि वहाँ की संस्थाएँ अधिक मजबूत थीं। भारत को भी इससे सीख लेनी चाहिए।

रूपाली चाकणकर प्रकरण एक आईना है, जो दिखाता है कि जब तक संस्थाएँ राजनीति की भेंट चढ़ती रहेंगी, तब तक महिला सुरक्षा केवल एक दावा बनी रहेगी। अंधविश्वास का अंत शिक्षा से और राजनीतिक दुरुपयोग का अंत सुधार से ही संभव है। समाज, सरकार और नागरिकों को मिलकर काम करना होगा, अन्यथा पीड़ितों की संख्या बढ़ती ही जाएगी।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

पक्षियों के बाद अब बेजुबान पशुओं की भी प्यास बुझाएगी ई- गौरैया टीम

अभियान के 9 वर्ष पूर्ण होने पर टीम ने लिया संकल्प

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी में अब आसमान में उड़ने वाले पक्षियों के साथ-साथ सड़क पर घूमने वाले बेजुबान पशुओं को भी पानी के लिए नहीं भटकना पड़ेगा। पिछले 9 सालों से गौरैया संरक्षण और पक्षियों की प्यास बुझाने का पुनीत कार्य कर रही शहर की ई-गौरैया टीम अब बेजुबान पशुओं की भी सेवा करेगी।

विश्व गौरैया दिवस पर टीम ने निर्णय लिया है कि वे अब पक्षियों के लिए सकोरे बांधने के साथ-साथ पशुओं के लिए भी विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर सीमेंट से बनी पानी की टंकियां रखवाएंगे। वर्ष 2018 से ई-गौरैया टीम विलुप्त हो रही गौरैया के संरक्षण के लिए लगातार काम कर रही है। टीम द्वारा न सिर्फ जन जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं,

बल्कि स्कूली विद्यार्थियों को भी इस रचनात्मक मुहिम से जोड़कर उनकी प्रस्तुतियों का संकलन व प्रसारण किया जा रहा है। हर साल ग्रीष्मकाल में टीम के सदस्य शहर के विभिन्न हिस्सों में पक्षियों के लिए दाना-पानी के सकोरे लगाने का कार्य पूरी तन्मयता से करते आ रहे हैं। अपने इस अभियान के सफल 9 वर्ष पूर्ण होने पर टीम ने अब बेजुबान पशुओं की प्यास बुझाने का संकल्प लेते हुए उनकी सीमेंट की टंकियां रखने का निर्णय लिया है। इस अवसर पर टीम के दीपक शर्मा, मनोज दुबे, संजय सोनी, जगदीश भावसार, महेश शर्मा, आत्माराम गुर्जर, ओंकारसिंह चांदना, कमलेश नागर, नंदकिशोर विश्वकर्मा, ललित तिवारी, प्रद्युम्न व्यास, मुरली पाटीदार, संजय शर्मा, रामप्रसाद भिलाला आदि उपस्थित थे।

मंदिर, मस्जिद और उद्यानों में रखी जाएंगी टंकियां- नई कार्ययोजना के तहत अब शहर के प्रमुख मंदिरों, मस्जिदों, उद्यानों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पशुओं की प्यास बुझाने के लिए सीमेंट की टंकियां रखी जाएंगी। ई-गौरैया टीम के संयोजक लोकेश राठौर ने इस पुनीत कार्य में आमजन से भी जुड़ने का आह्वान किया है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ या अपने प्रियजनों की स्मृति जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर इस अभियान में सहभागी बनें। टीम ऐसे सहयोगियों की अनुभूतियों को समाज के सामने साझा करेगी, ताकि यह कार्य अन्य लोगों के लिए भी अभिप्रेरक और अनुकरणीय बन सके।

जंगली सूअर ने किया ग्रामीण पर हमला, गंभीर घायल

मो.बड़ोदिया में सांड ने लोगों व वाहनों को बनाया निशाना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार को जानवरों के हमलों से दो अलग-अलग क्षेत्रों में हड़कंप मच गया। मोहन बड़ोदिया में एक सांड ने राहगीरों और वाहनों को निशाना बनाया। वहीं ग्राम उकावता में एक जंगली सूअर ने ग्रामीण पर अचानक हमला कर उसे घायल कर दिया।

जानकारी के अनुसार सुबह करीब 9 बजे एक सांड ने गांव के दो लोगों पर हमला कर दिया, जो बाल-बाल बच गए। इसके बाद सांड ने बस स्टैंड पर खड़ी एक कार को भी टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। सांड के बढ़ते आतंक को देखते हुए दोपहर 12 बजे दशहरा उत्सव समिति के सदस्यों ने मोर्चा संभाला। अशोक पाटीदार, नितेश पटेल और अन्य ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद सांड को रस्सियों की मदद से पेड़ से बांधा। जिसे बाद में जंगल में छोड़ दिया गया। इधर ग्राम उकावता में एक किसान पर एक जंगली सूअर ने हमला कर दिया। किसान असलम सोमवार दोपहर अपने खेत पर भैंस चरा रहे थे। तभी एक जंगली सूअर ने उन पर अचानक हमला कर दिया। सूअर ने किसान के हाथ और अंगूठे पर गंभीर घाव कर दिए और पेट पर भी हमला करने की कोशिश की। हालांकि किसान ने हिम्मत दिखाते हुए सूअर का मुकाबला किया और अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर डायल 112 की मदद से उन्हें तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल डॉक्टर की निगरानी में उनका इलला जारी है, लेकिन इस घटना के बाद से ग्रामीण इलाकों में दहशत का माहौल है।

किसानों को सुगमता से खाद वितरण के लिए ई-विकास एवं एग्रीस्टैक प्रणाली का प्रशिक्षण संपन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में उर्वरक वितरण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और सुगम बनाने के उद्देश्य से ई-विकास (वितरण एवं कृषि आपूर्ति समाधान) प्रणाली लागू की गई है। इसी अनुक्रम में सोमवार को विकासखंड स्तर पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्र में देवास विकासखंड के कृषि विस्तार अधिकारी, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक एवं पटवारी मुख्य रूप से उपस्थित थे। प्रशिक्षण सत्र में विशेषज्ञों ने विभिन्न डिजिटल प्रणालियों पर विस्तृत तकनीकी मार्गदर्शन दिया। इस दौरान कृषि विस्तार अधिकारी एवं मास्टर ट्रेनर श्री मोहम्मद सकलेन ने ई-विकास पोर्टल व टोकन जनरेशन की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार किसानों के लिए ऑनलाइन टोकन जनरेट किए जाएंगे। इससे वितरण केंद्रों पर भीड़ प्रबंधन और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। राजस्व निरीक्षक एवं मास्टर ट्रेनर श्री आदेश कुमार उईके ने एग्रीस्टैक प्रणाली की जानकारी दी और बताया कि डिजिटल डेटाबेस के माध्यम से कृषि सेवाओं को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। अनुविभागीय कृषि अधिकारी एवं मास्टर ट्रेनर श्री राजेन्द्र द्विवेदी ने पूरी प्रक्रिया के तकनीकी पहलुओं और पोर्टल संचालन के दौरान आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों के निराकरण के संबंध में विस्तार से समझाया।

शहीदों की याद में अभाविप ने निकाली मशाल यात्रा, इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाते निकले कार्यकर्ता, शहरवासी भी हुए शामिल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहीद दिवस की पूर्व संध्या पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मशाल यात्रा निकाली। इस आयोजन में बड़ी संख्या में शामिल हुए युवाओं के जोश से पूरा शहर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। मशाल यात्रा शहर के ऐतिहासिक आजाद चैक से शुरू हुई। हाथों में मशालें लिए युवा भारत माता की जय और इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाते हुए प्रमुख मार्गों से गुजरे। देशभक्ति गीतों की धुन और नारों ने वातावरण में जबरदस्त उत्साह भर दिया।

यह यात्रा महान क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के सर्वोच्च बलिदान को याद करने के लिए निकाली गई थी। वक्ताओं ने बताया कि 23 मार्च 1931 को इन तीनों वीरों ने देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया था। उनका संघर्ष आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा है। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित लोगों ने शहीदों के दिखाए मार्ग पर चलने और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ ली। इस मशाल यात्रा के जरिए संदेश दिया गया कि देश की आजादी के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले बलिदानियों को आने वाली पीढ़ियां सदैव याद रखेंगी।

समर्थन मूल्य की खरीदी पर छाने लगे संकट के बादल

नियुक्ति प्रक्रिया में हो रही देरी से नाराज सहकारिता कर्मचारियों ने शुरू की हड़ताल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में सहकारिता समितियों के कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरुआत की है। सैकड़ों कर्मचारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक परिसर में धरने पर बैठ गए हैं। इस विरोध प्रदर्शन के कारण जिले की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था और सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी तरह चरमरा गया है। वहीं 1 अप्रैल से शुरू होने वाली समर्थन मूल्य की खरीदी पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

संघ के जिलाध्यक्ष लखन कुंभकार ने बताया कि हड़ताल का मुख्य कारण सहायक समिति प्रबंधकों की पदोन्नति और नियुक्ति प्रक्रिया में हो रही देरी है। प्रबंधकों की नियुक्ति प्रक्रिया अक्टूबर 2025 तक पूर्ण होनी थी। लेकिन इंदौर, भोपाल और उज्जैन जैसे पड़ोसी जिलों में यह प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और शाजापुर में पात्रता सूची जारी होने के बावजूद नियुक्ति आदेश अटकाए गए हैं।

किसानों की भी बढ़ी मुश्किल - हड़ताल के कारण जिले के किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सोसायटियों से होने वाला खाद और बीज का वितरण बंद हो गया है। वहीं ऋण वितरण की प्रक्रिया भी पूरी तरह ठप है। आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों में जुटे किसानों को अब निजी साहूकारों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। यही नहीं इस हड़ताल का सबसे गंभीर असर समर्थन मूल्य पर होने वाली गेहूं खरीदी पर पड़ने वाला है। जिले के सभी 64 उपार्जन केंद्रों का संचालन इन्हीं कर्मचारियों के जिम्मे है। यदि 1 अप्रैल से पहले हड़ताल समाप्त नहीं हुई, तो गेहूं खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह बाधित हो सकती है, जिससे हजारों किसानों का भुगतान और अनाज भंडारण प्रभावित होगा।

इनका कहना है- कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान हेतु प्रयास जारी हैं। कर्मचारियों ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि जब तक नियुक्ति आदेश जारी नहीं होते, तब तक वे काम पर नहीं लौटेंगे।

- कोमल डहाके, सीईओ, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाजापुर

दूसरों के दुख को समझता है परमात्मा उसे अपना समझता है - महामंडलेश्वर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आपके बच्चे वो नहीं करते जो आप कहते है बच्चे वो करते है जो देखते है । आपके संस्कार में ही आपका भविष्य दिखाई देता है । आपने अपने माता पिता की सेवा नहीं की है तो यह निश्चित नहीं है कि आपके वृद्धा काल में बच्चों द्वारा आपकी सेवा हो । घर के संस्कार सेवा और भक्ति से जुड़े होगे तभी संतान आज्ञाकारी होगी। आज स्कूलों में भी शिक्षा नहीं जानकारी दी जाती है संस्कार की शिक्षा नहीं। किसी भूल वश हुए अपराप से हुए पाप को सिर्फ पश्चाताप की अग्नि ही जला कर नष्ट कर सकती है और पाप न करने का संताप, संकल्प , प्रतिज्ञा मनुष्य को पवित्र बना देती है । पाप से मुक्त मन ही परमात्मा से जुड़ पाता है। एक चिंगारी जलाकर भस्म कर सकती है,एक अमृत की बूंद मृत प्राणी को जीवन दे देती है। उसी प्रकार भगवान का एक नाम स्मरण आपको सदा पापों से मुक्त कर देता है। जो दूसरों के दुःख को समझता है परमात्मा उसे अपना समझता है। यह आध्यात्मिक एवं जीवन दर्शन के विचार चैत्र नवरात्रि में कैला देवी मंदिर में हो रही श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर वृंदावन धाम के महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद जी ने कथा प्रसंग में भक्त ध्रुव, भक्त प्रह्लाद के चरित्र का वर्णन करते कहे । आपने कहा कि संसार मैं और मेरे में ही परेशान है दुःख वही है जहां अपना है। सुख वहा है जिसकी मन बुद्धि में हर जगह हर एक में परमात्मा है। कीर्तन से मन का मेल धूल जाता है । कथा में समुद्र मंथन का वर्णन किया । रघुवंश का सुंदर वर्णन कर प्रभु श्री राम के जन्म की कथा। द्वापर युग का चित्रण कर भगवान कृष्ण जन्म अवतार की कथा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की सुंदर झांकी के साथ नन्द के घर आनंद भयो जय कन्हैयालाल की भजन के साथ श्रोता भाव विभोर होकर नृत्य करने लगे। कथा में अयोध्या से आई लोकप्रिय नन्ही कवयित्री आहुति शुक्ला ने गीता के उपदेश छंद एवं सनातन युवा शक्ति को प्रेरित करने वाली वीर रस की राष्ट्र भक्ति की रचना- क्या कहते हो चीनी हमसे टकराएंगे ए चीन तुझको हम घोल कर चाय में पी जायेगे... प्रस्तुत कर श्रोताओं की दाद बटोरी ।

कथा आयोजक मन्नूलाल गर्ग , दीपक गर्ग ,अनामिका गर्ग ने व्यास पीठ की पूजा की आरती में कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष मनीष चौधरी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम, ब्लाक अध्यक्ष प्रतीक शास्त्री , नीरज नागर समाज सेवी प्रेम कुमार गोयल इंदौर सहित अनेक गणमान्य ने व्यास पीठ से गुरुदेव से आशीर्वाद लिया।

सांदीपनि में मर्ज होंगी जिले की 61 शालाएं

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के 61 स्कूलों को सांदीपनि स्कूलों में मर्ज किया जाएगा। इसके लिए सोमवार को कलेक्टर ऋजु बाफना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मानिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शालाओं को सांदीपनि विद्यालयों में मर्ज करने पर चर्चा की गई। इस दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिये कि गठित समिति चिन्हित सभी शालाओ के समायोजन की कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित करें। उन्होंने सादीपनि विद्यालय में रिक्त सीटो के विरूद्ध शत प्रतिशत शालाओं का समायोजन करने और आवश्यकतानुसार अन्य शालाओं का चिन्हांकन कर कार्यवाही करने, अशासकीय शालाओ के छात्रो के प्रवेश के सम्बन्ध में राज्य के निर्देशानुसार कार्यवाही करने, शासकीय शालाओं के समायोजन पश्चात रिक्त शाला भवनों की सूची उपलब्ध कराने एवं चयनित विद्यालय के शतप्रतिशत छात्रों का सांदीपनी शाला में प्रवेश अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर कलेक्टर व जिला पंचायत सीईओ अनुपमा चैहान, जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र शिप्रे, कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी एवं पीएचई, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला परिवहन अधिकारी, जिला शिक्षा केन्द्र जिला परियोजना समन्वयक, विद्यालयों के प्राचार्य एवं समिति सदस्य आदि उपस्थित थे।

उत्कृष्ट अंकों से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को किया सम्मानित

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पूरे प्रदेश में सोमवार को कक्षा 9वी व 11वी के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। बस स्टैंड स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में भी समारोह पूर्वक परिणाम घोषित किया गया और जो विद्यार्थी प्रथम श्रेणी व अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए उन्हें सम्मानित भी किया गया। विद्यालय प्राचार्य हेमेंद्र यादव ने बताया कि कक्षा 9वी में दर्ज 238 विद्यार्थियों में से 86 प्रतिशत तथा 11वी में दर्ज 271 में 269 विद्यार्थी सम्मिलित होकर 87 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुवे। उत्कृष्ट विद्यालय में परिणाम घोषित किया जाकर अच्छे अंक पाने वाले विद्यार्थियों का मिठाई खिलाकर, पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। परीक्षा प्रभारी सियाराम पाटीदार ने बताया कि सभी उत्तीर्ण को कक्षोन्नत कर एक अप्रैल में प्रवेशोत्सव के साथ नवीन सत्र की कक्षाये लगना प्रारंभ हो जावेगी। परीक्षा परिणाम घोषित किये जाने के अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

नगरीय निकाय क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करें- कलेक्टर श्री सिंह

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषिराज सिंह की अध्यक्षता में जिले के नगरीय निकायों की समस्याओं एवं निराकरण संबंधी बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में जिला परियोजना अधिकारी सुश्री स्मिता रावल, नगरीय निकायों के अध्यक्षगण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ), इंजीनियर सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिले में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करें, जहां पर अतिक्रमण हों उसे तुरंत हटाएं। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण होने से जहां एक और नगर का सौंदर्यीकरण खराब होता है वहीं नगरों की आर्थिक उन्नति भी अवरूद्ध होती है। इसलिए सभी एकजूटता के साथ अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करें। उन्होंने निर्देश दिए कि मुख्य सड़क पर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करें। अतिक्रमण हटाने एवं मुख्य सड़कों पर अतिक्रमण रोकने के पूरे प्रयास किए जाएं।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने नगरीय निकायों के अध्यक्षों की समस्याओं को एक-एक करके सुना तथा उनके निराकरण के लिए संबंधित सीएमओ एवं संबंधित एजेंसियों के प्रभारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों में रहने वाले नागरिकों को सभी प्रकार की सुविधा मिले। इसके लिए नगर परिषद एवं सभी नगरीय प्रशासनिक इकाई एकजूट होकर कार्य करें। एकजूट होकर कार्य करेंगे तो उसके सकारात्मक परिणाम भी मिलेंगे।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह को निकायों के अध्यक्षों ने विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पेयजल की समस्याएं सड़क निर्माण कार्य एवं अन्य निर्माण कार्यों से अवगत कराया। इसके साथ ही बगीचों के सौंदर्यीकरण, भवन निर्माण के कार्यों के बारे में जानकारी दी। इस पर कलेक्टर श्री सिंह ने समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि नगरीय निकायों के पार्क का सौंदर्यीकरण कर उन्हें डेवलप करें। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि अधिकारीगण मूल कार्यों पर विशेष ध्यान दें। नगर की सुदंरता बनाए रखने और उसे सुंदर बनाने का लक्ष्य बनाकर कार्य करें। गर्मी के मौसम में पेयजल की आपूर्ति के लिए कार्य योजना बनाकर कार्य करें।

बैठक में नगरीय निकायों के अध्यक्षों ने कलेक्टर श्री सिंह को रोड निर्माण, मुख्य मार्ग के निर्माण, स्कूल भवन निर्माण, नाला निर्माण सहित अन्य निर्माण कार्यों के संबंध में जानकारी दी। इस पर कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि जो भी निर्माण कार्य किए जा रहे हैं उन कार्यों में गति लाकर उन्हें समय सीमा में पूर्ण करें।

जिले के विद्यार्थियों ने भारत और पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा का भ्रमण कर देश के जवानों की दिनचर्या को जाना

विद्यार्थियों ने मध्यप्रदेश सरकार का जताया आभार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश सरकार की मां तुझे प्रणाम योजना के अंतर्गत प्रदेश के अलग-अलग जिलों से विद्यार्थियों के चयन के बाद 11 मार्च को देवास जिले से 18 युवा विद्यार्थियों सहित 120 युवा विद्यार्थियों का चयन हुआ। उन्हें राजस्थान के निकट भारत-पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा तनोट माता मंदिर, लोंगेवाला बॉर्डर का भ्रमण करवाया गया। जहां उन्हें सैनिकों की दिनचर्या एवं सैनिकों के साहस और वीरता से जुड़ी जानकारी दी गई। कन्नौद ब्लॉक समन्वयक कमल सोलंकी के नेतृत्व में जिला देवास के छह ब्लॉक के 18 युवा प्रियांशु भतवाल, जीवन गेहलोत,

आदित्य श्रीवास्तव, गौतम सेन, नमन सेन, अनन्त यादव, प्रमोद करवरिया, अंकित नवरंग, निलेश फुलेरिया, चित्रांश दाधिच, आदित्य राज सिंह सिसोदिया, मौसम उपाडिया, आयुष यादव, आज़ाद मोरे, अरविंद अम्बोदिया, बलराम यादव, अभिषेक, विकास कटारिया सहित शाजापुर, बड़वानी, अलीराजपुर के 120 विद्यार्थी युवा मौजूद रहे।

कन्नौद ब्लॉक समन्वयक कमल सोलंकी एवं साथियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें बहुत प्रसन्नता हो रही है कि वे इस योजना के माध्यम से देश के जवानों की देश भक्ति को समझ पाए है, कठिन परिश्रम एवं मातृ भूमि की सेवा के जज्बे के साथ सैनिक सीमा पर डटे हुए हैं। उनके त्याग और समर्पण से सभी देशवासी चैन की नींद सोते हैं। योजना के दौरान चयनित सभी विद्यार्थियों ने मध्यप्रदेश सरकार का आभार जताया है।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला धार (म.प्र.)

क्रमांक/570/रीडर-2/2026 धार, दिनांक 20/01/2026

-: विज्ञप्ति :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स Green Teck Petrochem PVT.LTD. तर्फे श्री विकास पिता अशोक बजाज निवासी 75/4 शिक्षक कॉलोनी बदनावर तहसील बदनावर द्वारा भूमि ग्राम खेड़ा तहसील बदनावर जिला धार, म.प्र. स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 731/1/3/1/1/2 पर बायोडीजल (B100) रिटेल आउटलेट का संचालन किये जाने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र चाहा गया है। जिसके संबंध में इस न्यायालय में कार्यवाही प्रचलित है।

अतः आवेदित प्रश्नाधीन भूमि/स्थल पर अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किये जाने के संबंध में किसी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो न्यायालय जिला दण्डाधिकारी, जिला धार में उक्त विज्ञप्ति का प्रकाशन दिनांक से एक माह के भीतर उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के पश्चात् प्रस्तुत किसी भी प्रकार की आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह विज्ञप्ति आज दिनांक 20/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गई है।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
वास्ते जिला दण्डाधिकारी
जिला धार (म.प्र.)

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला धार (म.प्र.)

क्रमांक / 9709 /रीडर-2/2025 धार, दिनांक 28/08/2025

-: विज्ञप्ति :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मेसर्स रिलायंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड तर्फे डीलर श्री विशाल पिता अशोक बजाज निवासी शिक्षक कॉलोनी बड़ी चौपाटी बदनावर जिला धार द्वारा भूमि ग्राम बोराली तहसील बदनावर जिला धार स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 322/2/1/1/1 क्षेत्रफल 3500 वर्गमीटर व्यवसायिक प्रयोजन भूमि, भू-स्वामी श्री अशोक बजाज पिता श्री कश्मीरी लाल निवासी शिक्षक कॉलोनी बड़ी चौपाटी बदनावर द्वारा दिनांक 31/07/2025 से सहमति प्रस्तुत की गई है जिस पर पेट्रोलियम रूल्स 2002 के अंतर्गत नवीन रिटेल आउटलेट स्थापना हेतु अनापत्ति प्रमाण-पत्र चाहा गया है। जिसके संबंध में इस न्यायालय में कार्यवाही प्रचलित है।

अतः आवेदित प्रश्नाधीन भूमि/स्थल पर पेट्रोलियम रूल्स 2002 के अन्तर्गत अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किये जाने के संबंध में किसी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो न्यायालय जिला दण्डाधिकारी, जिला धार में उक्त विज्ञप्ति का प्रकाशन दिनांक से एक माह के भीतर उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के पश्चात् प्रस्तुत किसी भी प्रकार की आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह विज्ञप्ति आज दिनांक 28/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गई है।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
वास्ते जिला दण्डाधिकारी
जिला धार (म.प्र.)

भ्रष्टाचार और कंगाली के विरुद्ध विधायक शेखावत का हल्लाबोल

कर्ज के चक्रव्यूह में फंसी सरकार, पंचायतों का बजट शून्य और बिजली विभाग की मनमानी चरम पर

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्रीय विधायक भंवरसिंह शेखावत ने सोमवार को विधायक कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रदेश सरकार और प्रशासनिक मशीनरी पर तीखे प्रहार किए। शेखावत ने राज्य की आर्थिक कंगाली से लेकर ग्रामीण विकास की तालाबंदी तक, हर मोर्चे पर सरकार को विफल बताते हुए इसे प्रदेश के इतिहास का सबसे काला दौर करार दिया।

विधायक शेखावत ने प्रदेश की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र जैसी गंभीरता दिखाते हुए कहा कि मध्य प्रदेश पिछले 30 वर्षों के सबसे बुरे आर्थिक दौर से गुजर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की स्थिति अब उस लाचार परिवार जैसी हो गई है जिसे अपना अस्तित्व बचाने के लिए रोज कर्ज लेना पड़ता है।

शेखावत ने कहा की जब सरकार को पुराना कर्ज चुकाने के लिए ही नया कर्ज लेना पड़े, तो विकास की उम्मीद बेमानी है। यही कारण है कि आज किसी भी विभाग में राशि का आवंटन नहीं हो पा रहा है। संभल जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं में दुर्घटना सहायता का पैसा जो तत्काल मिलना चाहिए, वह सालों तक लंबित है। सरकार के पास जनता के हक का पैसा देने के लिए खजाना खाली है। भीषण गर्मी के मुहाने पर खड़े प्रदेश की हकीकत बयां करते हुए विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल उपलब्ध कराने की सरकार की कोई मंशा नहीं है। विकास की राशि पर ऐसी बंदी लगी है कि बोरिंग करने वाली कंपनियों के कॉन्ट्रैक्ट तक खत्म हो चुके हैं। सरकार के पास नई बोरिंग कराने या पुरानी व्यवस्था सुधारने के लिए पैसे नहीं हैं, जिससे ग्रामीण अंचलों में जल संकट गहरा गया है।

शेखावत ने पंचायतों, जनपद और जिला पंचायतों की वर्तमान स्थिति पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा जनता से सीधे जुड़ी तीन मुख्य इकाइयां ग्राम पंचायत, जनपद और जिला पंचायत आज पूरी तरह ठप हैं। इनके पास विकास कार्यों के लिए फूटी कौड़ी नहीं है। सरकार ने इन संस्थाओं को बजट विहीन कर दिया है, जिससे गांवों का बुनियादी विकास रुक गया है।

बिजली विभाग की कार्यप्रणाली को विधायक ने तालिबानी और अमानवीय बताया। उन्होंने कहा कि विभाग गांवों को जानबूझकर अंधेरे में धकेल रहा है। किसान की फसल बिकने का समय है, पेमेंट आने में देरी हो रही है। अगर 10 लोगों ने बिल नहीं भरा, तो पूरे गांव की बिजली काट दी जाती है। विभाग की इस तरह की गुंडागर्दी के कारण ग्रामीण परेशान है। इस तरह की कार्यप्रणाली सामूहिक सजा देने जैसा अन्यायपूर्ण तरीका है। विभाग वसूली के लिए तो डंडे चलाता है, लेकिन अगर गांव का ट्रांसफार्मर जल जाए, तो उसे बदलने में हफ्तों लग जाते हैं। जनता से बिल के नाम पर भारी वसूली की जा रही है, लेकिन सेवा के नाम पर केवल अघोषित कटौती मिल रही है।

प्रशासनिक शुचिता पर सवाल उठाते हुए शेखावत ने कहा कि विद्युत मंडल, पुलिस विभाग और तहसील कार्यालयों में खुलेआम लूट मची हुई है। भ्रष्टाचार ने अपनी सारी सीमाएं लांघ दी हैं। थानों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि गृह विभाग स्वयं मुख्यमंत्री के पास होने के बावजूद वहां जो चल रहा है, वह निंदनीय है। विधायक ने अंत में हुंकार भरते हुए कहा- अब चुप बैठने का समय बीत चुका है। भ्रष्टाचार और जनविरोधी नीतियों के विरुद्ध व्यवस्था परिवर्तन अनिवार्य है। जल्द ही हम जनता को साथ लेकर एक विशाल जन-आंदोलन खड़ा करेंगे, ताकि इस सोई हुई सरकार को जगाया जा सके।

पत्रकार वार्ता के दौरान विधायक प्रतिनिधि महेश पाटीदार, कैलाश गुप्ता, मुकेश होती, निज सहायक आरपी सिंह, राजन जाट, आशीष जोशी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और मीडियाकर्मी मौजूद थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरचनाओं की सफाई कार्य जारी

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद उन्हेल द्वारा शासन के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरचनाओं की सफाई कार्य किया जा रहा है। छोटा तालाब के घाट की सफाई ,चांदबड़ चौक में स्थित कुआं की सफाई की गई तथा नवीन बस स्टैंड गंगाबाग हनुमान मंदिर परिसर में स्थित बावड़ी की सफाई निकाय के स्वच्छता मित्र कर्मचारियों द्वारा की गई। जल गंगा संवर्धन अंतर्गत जल संचय अभियान से जुड़ने हेतु नगर परिषद नागरिकों से अपील करती है।

ओलंपियाड प्रतियोगिता में सफल रहे विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देश अनुसार एवं जिला कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के निर्देशन में जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में सफल रहे विद्यार्थियों का सोमवार को जिला शिक्षा केंद्र बड़वानी द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उक्त सम्मान समारोह में सफल रहे विद्यार्थियों के मैटर शिक्षकों एवं ओलंपियाड प्रभारी बीएससी को भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिले भर के कक्षा 2 से 8 तक के सभी विषय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 32 विद्यार्थियों को उक्त सम्मान समारोह में कलेक्टर महोदय द्वारा प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान की गई । इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को ट्रैकसूट ,स्कूल बैग ,पानी की बोतल, टिफिन ज्योमेट्री बॉक्स एवं कैप भी प्रदान की गई। जिले के कुल पांच विद्यार्थी ऐसे रहे जिन्होंने एक से अधिक विद्या में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। ओलंपियाड 2025- 26 अंतर्गत प्रथम चरण में जिले के समस्त शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय में अध्यनरत विद्यार्थियों में से एक निश्चित संख्या में विद्यार्थियों का आरएसके एमपी पोर्टल पर पंजीयन किया गया ,तत्पश्चात में माह नवंबर 2025 में जन शिक्षा केंद्र स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जन शिक्षा केंद्र स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में सफल रहे प्रत्येक जन शिक्षा केंद्र से 64 विद्यार्थियों का चयन किया जाकर जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता जनवरी 16 और 17 को जिले के समस्त विकासखंड मुख्यालय पर आयोजित की गई। उक्त प्रतियोगिता में जिले भर के करीब 4800 बच्चों ने सहभागिता की थी जिनमें से सफल रहे 32 विद्यार्थियों का आज सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उक्त प्रतियोगिता में जिले के दूरस्थ शालाओं के बच्चे जिनमें दूधखेड़ा सेंधवा, मोटापुरा पानवा, मेणीमाता, निसरपुर आदि के छात्र सफल रहे हैं।

विधायक जितेन्द्र उदयसिंह पण्ड्या ने किया सफाई मित्रो के साथ संवाद एवं स्नेहभोज

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। विधानसभा में जनसेवक जितेन्द्र उदयसिंह पण्ड्या द्वारा नगरीय क्षेत्र में कार्यरत सफाई मित्रो के साथ ''संवाद'' तथा उनकी वास्तविक समस्याओं का ''समाधान'' एवं ''स्वच्छता वीरो'' के साथ आत्मीय ''स्नेहभोज'' का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन में अ.जा. मोर्चा के प्रदेश मंत्री डॉ जगदीश चैहानजी ने विशेष वक्ता के रूप में उपस्थित होकर मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर विधायकजी व अतिथियों द्वारा सफाई मित्रो एवं मातृ शक्तियों का दुपट्टा (अंग वस्त्र) पहनाकर व साड़ी, टीशर्ट भेट स्वरूप प्रदान कर सम्मानित किया ।

उक्त आयोजन में विधायक श्री पण्ड्या ने कहां की इन्दौर देश मे नंबर 01 है बड़नगर प्रदेश में नंबर 01 कैसे हो उपलब्ध संसाधनो के साथ बेहतर प्रबन्ध के माध्यम से उच्च स्तरीय परिणाम कैसे प्राप्त हो, बड़नगर की सफाई व्यवस्था को और चुस्त दुरूस्त कैसे किया जाये इस पर सफाई मित्रो की राय जानी।

उक्त आयोजन में जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि उमरावसिंह राठौर, जिला पंचायत सदस्य रामप्रसाद पण्ड्या, भाजपा अध्यक्षद्वय नवीन राठोड़, महेश हारोड़, गोपालसिंह आंजना, मुकेश व्यास, विजयराजसिंह चिरोला, पार्षद अजय दोराया, विजेन्द्र गोसर, श्रीमती नेहा शांतीलाल गोखरू, बहादुर बादशाह, राजेश परमार, तरूण आचार्य, कुशल गेहलोत, दिलीपसिंह राणावत, गजेन्द्रसिंह राजावत, आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन लोकेसिंह पंवार ने किया एवं आभार नगरपालिका उपाध्यक्ष अनिता सतिश वर्मा ने माना।

बदनावर मंडी में किसानों का रणघोष, गेहूं के दामों में गिरावट पर फूटा आक्रोश, मंडी गेट पर जड़ा ताला

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय कृषि उपज मंडी में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी और हंगामे की स्थिति निर्मित हो गई, जब अपनी खून-पसीने की कमाई (गेहूं) के उचित दाम न मिलने से आक्रोशित किसानों के सब्र का बांध टूट गया। व्यापारियों द्वारा नीलामी के दौरान अचानक भाव गिराए जाने से नाराज सैकड़ों किसानों ने न केवल नीलामी प्रक्रिया रुकवा दी, बल्कि मंडी के मुख्य प्रवेश द्वार पर ताला जड़कर जमकर नारेबाजी की।

मंडी सूत्रों के अनुसार, सोमवार सुबह जब नीलामी प्रारंभ हुई, तब गेहूं के भाव संतोषजनक थे और व्यापार सुचारू रूप से चल रहा था। किंतु दोपहर की नीलामी शुरू होते ही अचानक बाजार के रुख में बदलाव देखा गया। किसानों का आरोप है कि व्यापारियों ने आपसी सांठगांठ कर जानबूझकर अच्छी गुणवत्ता वाले गेहूं के दाम भी औने-पौने बोलना शुरू कर दिए।

देखते ही देखते मंडी परिसर किसान एकता जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा। आक्रोशित किसानों ने व्यापारियों पर सिंडिकेट बनाकर भाव गिराने और शोषण करने का सीधा आरोप लगाया। किसानों की मांग है कि खरीदी का आधार रूक्के के आसपास ही रहे, ताकि उन्हें भारी आर्थिक क्षति न हो। व्यापारियों द्वारा की जा रही मनमानी और कमीशनखोरी के खेल पर मंडी प्रशासन सख्त अंकुश लगाए। बाहरी राज्यों के गेहूं की आवक का बहाना बनाकर स्थानीय किसानों की उच्च गुणवत्ता वाली उपज के दाम गिराना बंद किए जाएं।

मंडी गेट पर ताला डलने के कारण बदनावर की प्रमुख सड़कों पर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे नगर का आवागमन घंटों बाधित रहा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों और व्यापारियों के बीच मध्यस्थता करते हुए बंद कमरे में बैठक की। प्रशासन द्वारा उचित दाम और पारदर्शी नीलामी के ठोस आश्वासन के बाद ही किसान शांत हुए और दोपहर बाद मंडी के द्वार खुल सके।

कृषि जानकारों का मानना है कि इस वर्ष नई फसल की बंपर आवक के कारण मंडियों में भारी दबाव है, जिसका लाभ उठाकर कुछ तत्व कीमतों में कृत्रिम गिरावट पैदा कर रहे हैं। हालांकि, किसानों का स्पष्ट कहना है कि खाद, बीज और मजदूरी की बढ़ती लागत के मुकाबले वर्तमान भाव उन्हें कर्ज के दलदल में धकेल रहे हैं। यह घटना केवल एक मंडी का हंगामा नहीं, बल्कि अन्नदाता की उस पीड़ा का प्रतिबिंब है जहाँ बंपर पैदावार के बावजूद उसे अपनी फसल की सही कीमत के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है।

दहेज और रूढ़िवादी परंपराओं के अंत का संकल्प

5 अप्रैल को बदनावर में जुटेगा विरोधी संगठन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाज को खोखला करने वाली कुप्रथाओं के विरुद्ध अब निर्णायक जंग की तैयारी शुरू हो चुकी है। आगामी 5 अप्रैल को स्थानीय निजी संजोग गार्डन परिसर में दहेज विरोधी संगठन मध्य प्रदेश के तत्वावधान में एक विशाल प्रादेशिक समागम आयोजित होने जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त रूढ़िवादी परंपराओं को समाप्त कर मातृशक्ति का सम्मान और युवाओं को प्रगति के अवसर प्रदान करना है। आयोजन की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि क्षेत्र के युवा टोली बनाकर गाँव-गाँव जाकर निमंत्रण पत्र बांट रहे हैं। संगठन के प्रदेश महासचिव पोप सिंह राठौर (पप्पी बना) ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल एक बैठक नहीं, बल्कि समाज के पुनरुत्थान का अभियान है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा दहेज जैसी कुप्रथा समाज को दीमक की तरह खोखला कर रही है। हमें रूढ़िवादी परंपराओं का अंत कर मातृशक्ति को वह सम्मान दिलाना होगा जिसकी वे हकदार हैं। दहेज लेना और देना, दोनों ही गंभीर अपराध हैं और इस मुहिम से अब सर्व समाज को जुड़ना होगा।÷

संगोष्ठी के दौरान समाज के प्रबुद्धजनों द्वारा दहेज प्रथा और मृत्यु भोज पर पूर्ण प्रतिबंध का निर्णय लिया जाएगा। आयोजन में बालक-बालिकाओं को शिक्षा के समान अवसर, प्रतिभावान छात्रों का उत्साहवर्धन और मातृशक्ति का सम्मान एवं परिचय सम्मेलन और उत्कृष्ट शस्त्र प्रदर्शन को प्रोत्साहन किया जाएगा।

संगठन के जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह पंवार ने शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा ही वह एकमात्र हथियार है जिससे दहेज जैसी सदियों पुरानी बेड़ियों को काटा जा सकता है। उन्होंने समाज से अपील की कि अपने बच्चों को शिक्षित और योग्य बनाएं ताकि वे स्वयं इन रूढ़ियों को समाप्त करने में सक्षम बन सकें। इस महत्वपूर्ण समागम में राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी, जिनमें मुख्य रूप से विरेन्द्र सिंह सिसौदिया (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, रतलाम ताल), महेंद्र सिंह पंवार (राष्ट्रीय संगठन मंत्री, कड़ोदिया उज्जैन), विरेन्द्र सिंह राठौर (राष्ट्रीय महासचिव, नोगांवा बड़नगर), सज्जन सिंह चौहान (प्रदेश अध्यक्ष, नारायण गढ़ मंदसौर) साथ ही स्थानीय स्तर पर तहसील संयोजक जितेन्द्र सिंह देवड़ा, उपाध्यक्ष डॉ. कमल सिंह राठौर और महामंत्री बंटू सिंह चौहान सहित अनेक कार्यकर्ता व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव को श्रद्धापूर्वक नमन किया

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहीद दिवस के अवसर पर वार्ड क्रमांक 02 नेपा लिमिटेड गेस्ट हाउस के सामने अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के युवाओं एवं नगरवासियों ने एकत्रित होकर मोमबत्तियां जलाकर एवं पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम के दौरान युवा नेता राजेश पटेल लारा ने बताया कि हर वर्ष 23 मार्च को सभी युवा साथी एवं नेपानगर के परिवारजन एकत्रित होकर इन महान वीरों के बलिदान को याद करते हैं और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज का दिन हमें अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज उठाने, देश के प्रति सच्ची भक्ति, ईमानदारी और समर्पण के भाव को जागृत करने की प्रेरणा देता है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 5 वर्षों से इस स्थल पर भगत सिंह की प्रतिमा स्थापित करने की मांग लगातार की जा रही है, जिससे नई पीढ़ी को इन शहीदों के विचारों से प्रेरणा मिल सके।

नगर पालिका द्वारा आश्वासन दिया गया है कि आगामी समय में यहां फाउंडेशन बनाकर प्रतिमा स्थापना का कार्य प्रारंभ किया जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों में खुशी और उत्साह का माहौल है।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने जोशपूर्ण नारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया- भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव अमर रहें।

इंकलाब जिंदाबाद- इस अवसर पर हेमंत पाटिल, अमित कुमार दास, प्रकाश नकुल, पुनीत नकुल, सुमित पाटिल, लेखराज मुहारे, हैरीकिशन, योगेश खत्री, लक्की चौहान, रितेश चौहान, चिरंजीव पटेल, कुशाल पाटिल सहित बड़ी संख्या में युवा साथी एवं नगरवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य केवल श्रद्धांजलि देना ही नहीं, बल्कि युवाओं में देशभक्ति, एकता और बलिदान की भावना को मजबूत करना भी रहा।

बड़ावदा नगर में शहीदों की याद में जलीं मशालें- भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को दी श्रद्धांजलि, इंकलाब जिंदाबाद के लगाए नारे

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़ावदा नगर में 23 मार्च को शहीद दिवस की पूर्व संध्या पर सकल हिंदू समाज एवं टीम नागेश बजरंगी ने मशाल यात्रा निकाली। इस आयोजन में बड़ी संख्या में शामिल हुए युवाओं एवं मातृशक्ति के जोश से पूरा शहर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। मशाल यात्रा नगर के ऐतिहासिक मंडी प्रांगण बड़ावदा से शुरू हुई। यात्रा में प्रमुख बिंदुओं पर यात्रा की शुरुआत सर्वप्रथम 10 डीजे शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप झांसी की रानी और जीजा भाई अश्व वाहिनी वीरांगना वाहिनी तिरंगा वाहिनी हजारों की संख्या में देशभक्ति हाथों में मशालें लिए युवा भारत माता की जय और इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाते हुए प्रमुख मार्गों से गुजरे। देशभक्ति धुन और नारों ने वातावरण में जबरदस्त उत्साह भर दिया। भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को दी श्रद्धांजलि यह यात्रा महान क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के सर्वोच्च बलिदान को याद करने के लिए निकाली गई

वक्ताओं ने बताया कि 23 मार्च 1931 को इन तीनों वीरों ने देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया था। उनका संघर्ष आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत है।

राष्ट्र निर्माण का लिया संकल्प कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित लोगों ने शहीदों के दिखाए मार्ग पर चलने और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ ली। इस मशाल यात्रा के जरिए संदेश दिया गया कि देश की आजादी के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले बलिदानियों को आने वाली पीढ़ियां सदैव याद रखेंगी।

कानवन व बिड़वाल मंडल का दो दिवसीय भाजपा प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत कानवन और बिड़वाल मंडल का दो दिवसीय सघन प्रशिक्षण वर्ग सोमवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन के माध्यम से कार्यकर्ताओं को वैचारिक मजबूती, सरकार की उपलब्धियों और आधुनिक तकनीक (AI व सोशल मीडिया) से लैस करने का प्रयास किया गया।

प्रशिक्षण के सातवें सत्र को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा फूँकी। उन्होंने कहा प्रशिक्षण वह पाठशाला है जहाँ कार्यकर्ता वैचारिक रूप से परिपक्व होता है। आगामी चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रत्येक निष्ठावान कार्यकर्ता को सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और पार्टी की मूल विचारधारा की गहरी समझ होना अनिवार्य है।

दत्तीगांव ने आगे कहा कि भाजपा सरकार समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति (अंत्योदय) के विकास का संकल्प लेकर काम कर रही है। शहर से लेकर मजरे-टोलों तक विकास की योजनाओं को पहुँचाना ही हमारा लक्ष्य है।

छठवें सत्र में भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने कार्यकर्ताओं को भविष्य की राजनीति के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), नमो एप और संगठन एप के तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार तकनीक के माध्यम से हम अपनी बात को जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुँचा सकते हैं।

समापन के अंतिम सत्र में भाजपा जिला महामंत्री एवं अभियान के जिला संयोजक राकेश पटेल ने भाजपा का इतिहास और विकास विषय पर सारगर्भित उद्बोधन दिया। उन्होंने भारतीय जनसंघ से लेकर वर्तमान भाजपा तक के संघर्षपूर्ण सफर को तीन चरणों में समझाया। पटेल ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर देश का गौरव बढ़ा है।

अतिथि परिचय एवं संचालन- मंडल अध्यक्ष दिलीपसिंह सोलंकी ने अतिथियों का परिचय दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन मंडल महामंत्री ईश्वर सिंह पायकुंडा ने किया तथा आभार मंडल उपाध्यक्ष नर्मदाप्रसाद पटेरिया ने माना। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष कपिल निनामा, जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी, जनपद सदस्य नितिन सावंत, वरिष्ठ भाजपा नेता मनोहर सिंह कामदार, गोपाल सेन, गोपाल जाट और गोरसिंह पलवाड़ा सहित बड़ी संख्या में मण्डल पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। इसी के साथ बिड़वाल मण्डल का भी दो दिवसीय वर्ग उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

संकल्प से समाधान अभियान का बड़वानी जिले में प्रभावी क्रियान्वयन

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के निर्देशन में बड़वानी जिले में संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। संकल्प से समाधान अभियान आगामी 31 मार्च तक संचालित किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों की 65 सेवाओं और 41 योजनाओं के तहत आवेदकों को लाभान्वित किया जा रहा है। जिले में अब तक आयोजित शिविरों में एक लाख 59 हजार 451 आवेदन प्राप्त हुए, इनमें से एक लाख 58 हजार 749 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। शेष आवेदनों की निराकरण की प्रक्रिया भी जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार प्रदेश सरकार सुशासन और स्वराज के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु केन्द्र एवं राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रदेश में गत 12 जनवरी से संकल्प से समाधान अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान 31 मार्च 2026 तक संचालित किया जा रहा है। यह अभियान ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय एवं जिला स्तर पर चार चरणों में संचालित किया जा रहा है। अभियान की संपूर्ण कार्यवाही सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से संपादित की जा रही है। अभियान के अंतर्गत चयनित योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित आवेदन एवं शिकायतों को प्राप्त कर उनका त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसके लिए नगरीय निकाय के विभिन्न वार्डों सहित ग्राम पंचायत, क्लस्टर, विकासखंड एवं जिला स्तर पर शिविरों का आयोजन हो रहा है। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदनों के पंजीयन एवं निराकरण की कार्यवाही की जा रही है। अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम चरण 12 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय जाट तेजवीर सेना के प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत

नई नियुक्तियों से संगठन को मिली धार

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय जाट तेजवीर सेना के मध्य प्रदेश अध्यक्ष संदीप जाट BOSS के धार आगमन पर संगठन द्वारा भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। बदनावर में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में समाज के युवाओं का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, जहाँ संगठन की मजबूती के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई।

जोरदार आतिशबाजी और पुष्पहारों से अभिनंदन- जिला अध्यक्ष विजय जाट के नेतृत्व में स्थानीय श्री फाइनेंस कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत सत्कार किया गया। कार्यक्रम स्थल पर जैसे ही संदीप जाट पहुंचे, कार्यकर्ताओं ने गगनभेदी नारों और पुष्पहारों के साथ उनका अभिवादन किया। इस दौरान समाज के युवाओं ने प्रदेश अध्यक्ष का साफा बांधकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

अतिथियों ने सर्वप्रथम शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि इन क्रांतिकारियों का बलिदान ही हमारी वास्तविक पूंजी है और युवाओं को उनके दिखाए मार्ग पर चलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।

संगठन की सक्रियता और विस्तार को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष द्वारा महत्वपूर्ण नियुक्तियां की गईं, जिससे कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ कुंदन जाट (बखतगढ़)ः जिला प्रभारी (युवा इकाई), चेतन जाट (सुलावट) पीथमपुर तहसील अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

प्रदेश अध्यक्ष ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए उन्हें समाज सेवा और संगठन के उद्देश्यों के प्रति समर्पित रहने की शपथ दिलाई।

संदीप जाट BOSS ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय जाट तेजवीर सेना का मूल उद्देश्य केवल संगठन बनाना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति की मदद करना और युवाओं को व्यसनों से दूर रखकर राष्ट्रभक्ति की ओर प्रेरित करना है। उन्होंने शिक्षा और एकता पर विशेष जोर दिया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष विजय जाट सहित सर्व समाज के प्रबुद्ध जन, युवा पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन स्थानीय कार्यकारिणी द्वारा किया गया।

कलेक्टर जयति सिंह ने की समय-सीमा एवं अंतरविभागीय समन्वय बैठक में विभागों की समीक्षा

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह कलेक्ट्रेट सभागृह बड़वानी में सोमवार आयोजित समय-सीमा सह अन्तरविभागीय समन्वय संबंधी बैठक में विभिन्न विभागों के विभागीय कार्यो की विस्तृत समीक्षा की गई। 1. सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा कर कलेक्टर ने समस्त अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विभागों के जिला नोडल अधिकारी अपने लक्ष्यों के अनुरूप प्रतिदिन कार्य करें, ताकि माह के अंत में कोई भी शिकायत लंबित न रहे। बैठक में कलेक्टर ने शिकायतों को अटेंड न करने और निम्न गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर सख्त नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों से राशि की वसूली कर रेड क्रॉस में जमा करवाने के निर्देश दिए। साथ ही, सी ग्रेड वाले विभागों को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा एल 3 और एल 4 स्तर के अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर

शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। 2 .राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक में पीएम किसान सम्मान निधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समस्त तहसीलदारों को निर्देश दिए गए हैं। बैठक में विशेष रूप से पीएम किसान पंजीकरण,ई-केवाईसी और एनपीसीआई की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई, जिसमें तहसीलदार स्तर पर लंबित सभी प्रकरणों को तत्काल निराकृत करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही फार्मर रजिस्ट्री योजना के अंतर्गत खसरों की डिजिटल मैपिंग कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

यादवोत्थान समिति मालवांचल की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न, सामूहिक विवाह और कार्यकारिणी विस्तार पर हुई चर्चा

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। यादवोत्थान समिति मालवांचल की एक आवश्यक बैठक रविवार को स्थानीय सत्यम कॉम्प्लेक्स, खोप दरवाजा पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष मथुरालाल झड़ ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों और वरिष्ठजनों द्वारा भगवान श्री कृष्ण के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन के साथ किया गया। बैठक के दौरान संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए यादवोत्थान समिति एवं युवा उत्थान समिति की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों और सदस्यों को उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए मनोनयन पत्र वितरित किए गए।बैठक में समाज हित से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया, जिसमें मुख्य रूप से सामूहिक विवाहः आगामी 20 अप्रैल 2026 (अक्षय तृतीया) को आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों और रूपरेखा पर चर्चा की गई।

प्रतिभा सम्मानः समाज के होनहार छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

आय-व्यय का ब्यौराः गत जन्माष्टमी महोत्सव के दौरान हुए आय-व्यय का अनुमोदन किया गया। सदस्यता अभियानः समाज को संगठित करने के लिए आजीवन और वार्षिक सदस्यता अभियान को गति देने पर सहमति बनी। इस महत्वपूर्ण बैठक में समाज के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व कार्यकारिणी सदस्य, युवा उत्थान समिति के सदस्य सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु, वरिष्ठजन और युवा साथी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सचिव ओम प्रकाश यादव ने किया । आभार युवा अध्यक्ष सचिन यादव ने व्यक्त किया।

डर या समझौता नहीं ! सोशल मीडिया पर भाजपा को घेरने वाले पंकज तिवारी आए आलाकमान की नजर में

जावद कांग्रेस में बदलाव के संकेत, सोशल मीडिया के योद्धा पंकज तिवारी को क्या कांग्रेस देगी बड़ी कमान?

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश कांग्रेस में जहाँ एक ओर कई दिग्गज नेता खामोश नजर आते हैं, वहीं जावद विधानसभा के सिंगोली निवासी पंकज तिवारी अपने तीखे तेवरों से सोशल मीडिया पर तहलका मचाए हुए हैं। भाजपा और आरएसएस की नीतियों का मुखर विरोध करने वाले पंकज तिवारी ने अपनी निडर पोस्टों से न केवल सत्ता पक्ष को असहज किया है, बल्कि कांग्रेस आलाकमान का ध्यान भी अपनी ओर खींच लिया है।

दिग्विजय सिंह के करीबी और बेबाक अंदाज- पंकज तिवारी की कार्यशैली उन्हें जावद के अन्य स्थानीय नेताओं से अलग खड़ा करती है। वे न केवल भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हैं, बल्कि समय-समय पर कांग्रेस के भीतर की विसंगतियों पर भी बेबाकी से अपनी राय रखते हैं। सूत्रों की मानें तो पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह स्वयं पंकज तिवारी की सक्रियता से अच्छी तरह परिचित हैं।

सोशल मीडिया पर वन मैन आर्मी- नीमच जिले में पंकज तिवारी को कांग्रेस का ऐसा अकेला चेहरा माना जा रहा है जो सोशल मीडिया पर पूरी ताकत से भाजपा के गढ़ में सेंध लगाने का प्रयास रहे हैं। हालांकि, राजनीतिक गलियारों में चर्चा यह भी है कि डिजिटल मंच पर उनकी जितनी मजबूत पकड़ है, धरातल (ग्राउंड जीरो) पर अभी उन्हें उतनी ही सक्रियता दिखाने की जरूरत है।

बड़ी जिम्मेदारी की सुगबुगाहट- मध्यप्रदेश में कांग्रेस के इस चुनौतीपूर्ण समय में पार्टी को ऐसे ही प्रखर और बेबाक वक्ताओं की दरकार है। जिस तरह से तिवारी ने आलाकमान की नजरों में अपनी जगह बनाई है, उसे देखते हुए कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्हें जल्द ही संगठन में कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। यदि ऐसा होता है, तो यह जावद क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के लिए एक बड़ा संदेश होगा। अब देखना यह है कि क्या कांग्रेस नेतृत्व पंकज तिवारी के इस डिजिटल संघर्ष को जमीनी ताकत में बदलने के लिए उन्हें कोई आधिकारिक पद सौंपता है या नहीं।

1 अप्रैल से प्रारंभ होने वाले गेहूं उपार्जन व सरसों खरीदी की तैयारियों की कलेक्टर ने की समीक्षा

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बैठक आयोजित कर 01 अप्रैल से प्रारंभ होने वाले गेहूं उपार्जन एवं भावांतर भुगतान योजना के तहत सरसों की खरीदी को लेकर की जा रही तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना शासन की प्राथमिकता है, इसलिए खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, सुचारू और समयबद्ध तरीके से संचालित की जाए। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी निर्धारित खरीदी केंद्रों पर आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि केंद्रों पर तौल कांटे, बारदाना, परिवहन व्यवस्था, पेयजल, छाया एवं बैठने की व्यवस्था सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गेहूं और सरसों की खरीदी केवल निर्धारित मानकों के अनुसार ही की जाए। उन्होंने गुणवत्ता परीक्षण की व्यवस्था को मजबूत करने और मानक के अनुरूप उपज की ही खरीदी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि खरीदी केंद्रों पर नियमित निगरानी रखी जाए और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने भावांतर भुगतान योजना सरसों के अंतर्गत पंजीकृत किसानों की सूची का सत्यापन करने तथा यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कोई भी अपात्र व्यक्ति योजना का लाभ न ले सके। कलेक्टर ने कहा कि किसानों के पंजीयन, तौल एवं भुगतान की प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता रखी जाए और सभी कार्य ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से समय पर संपन्न हों।

कमर्शियल एलपीजी सिलेण्डरों की वितरण व्यवस्था के संबंध में निर्देश

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति एवं भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निर्देशों के अनुपालन में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के द्वारा मध्यप्रदेश के कमर्शियल एलपीजी सिलेण्डरों के वितरण के संबंध आवंटन प्राथमिकता का क्रम निर्धारित किया गया है। मध्यप्रदेश शासन खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के उप सचिव श्री बीके चंदेल ने प्रदेश के समस्त कलेक्टर्स को परिपत्र जारी कर निर्देशित किया है । पत्र में उल्लेखित किया गया है कि पहले क्रम पर शैक्षणिक संस्था एवं चिकित्सा संस्थानों को, दूसरे क्रम पर आवश्यक सेवाये, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस/सुरक्षा बल/पुलिस बल/जेल/सामाजिक न्याय विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग, अन्य विभाग के संस्थान जहां वृद्ध, महिला एवं बच्चे निवासरत है, एयरपोर्ट, रेल्वे, दीनदयाल रसोई केन्द्रों को, तीसरे क्रम पर होटल, रेस्टोरेंट एवं केटर्स, ढाबा, स्ट्रीट फूड वेंडर को, चौथे क्रम पर उद्योग (फार्मास्युटिकल/फूड प्रोसेसिंग/पोल्ट्री फूड/सीड प्रोसेसिंग) को तथा पांचवे क्रम में अन्य उद्योगों को कमर्शियल एलपीजी का वितरण सुनिश्चित किया जाये। कमर्शियल एलपीजी सिलेण्डरों की आपूर्ति 5, 9, 47.5 और 425 किलोग्राम के पैक्ड सिलेण्डरों में की जायेगी। साथ ही पत्र में यह भी उल्लेखित किया गया है कि जिला प्रशासन कमर्शियल एलपीजी सिलेण्डरों का डायवर्जन, जमाखोरी, अवैध भण्डारण, कम तौल तथा कालाबाजारी को रोकने के लिए नियमित निरीक्षण एवं कार्यवाही करेगा।

महावीर जयंती पर लोक-धर्मोत्सव का भव्य आयोजन

युद्ध के माहौल में महावीर का शांति-दर्शन ज्यादा जरूरी- देवेन्द्र ब्रह्मचारी

नई दिल्ली। आज जब दुनिया में युद्ध एवं हिंसा की विभीषिका में संपूर्ण मानवता पीड़ित एवं आहत है, ऐसे समय में भगवान महावीर के अहिंसा एवं शांति संदेश की ज्यादा जरूरत है। इस वर्ष महावीर जयंती के अवसर पर यही संदेश समूची दुनिया को एक युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला देगा। इसी भाव के साथ महावीर जयंती के उपलक्ष्य में लोक-धर्मोत्सव 2026 की तैयारियों को लेकर आज राजधानी नई दिल्ली स्थित जैन भवन, गोल मार्केट में एक महत्वपूर्ण समीक्षा एवं विचार-विमर्श बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता महावीरायतन फाउंडेशन के संस्थापक स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी (गुरुजी) ने की। अपने सारगर्भित मार्गदर्शन में उन्होंने केवल दिशा ही नहीं दी, बल्कि उस भावभूमि को भी स्पष्ट किया, जहाँ यह आयोजन समाज के लिए एक प्रेरणा बन सके। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने मिलकर 25 मार्च 2026 को मावलंकर ऑडिटोरियम, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में महावीर जयंती समारोह को एक भव्य, सुव्यवस्थित और सार्थक स्वरूप देने हेतु विभिन्न पहलुओं पर गंभीरता से विचार किया, चाहे वह आयोजन की रूपरेखा हो, व्यवस्थाओं की सूक्ष्मता अथवा जनसंपर्क और सहभागिता की व्यापकता।

तीर्थंकर भगवान महावीर के 2625वें जन्मकल्याणक के पावन अवसर पर महावीरायतन फाउंडेशन के तत्वावधान में लोक-धर्मोत्सव के भव्य राष्ट्रीय आयोजन वह क्षण होगा जब अहिंसा करुणा में बदलेगी, संयम संस्कार में ढलेगा और जियो और जीने दो का संदेश जन-जन तक पहुँचेगा। इस गरिमामय अवसर पर देश के अनेक प्रतिष्ठित जनप्रतिनिधि एवं विशिष्ट अतिथि अपनी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाएँगे, जिससे यह आयोजन राष्ट्रीय चेतना का एक सशक्त मंच बनेगा। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जनरल डॉ. वी. के. सिंह-मिजोरम के राज्यपाल, श्री अर्जुन मेघवाल-कानून मंत्री, श्रीमती रेखा गुप्ता-मुख्यमंत्री-दिल्ली, श्री चिराग पासवान-केन्द्रीय मंत्री, श्री श्रीपद यशोनायक-केन्द्रीय मंत्री, श्री रामदास अठावले-केन्द्रीय मंत्री, श्री अजय टम्टा-केन्द्रीय मंत्री, श्री अरुण सिंह-सांसद, श्री मनोज तिवारी-सांसद, श्री सुरेश जैन-राष्ट्रीय महासचिव-भारतीय विकास परिषद आदि मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे।

एक आयोजन नहीं, एक विचार यह महोत्सव उस विचार का प्रतीक है, जो मनुष्य को भीतर से श्रेष्ठ बनाता है। भगवान महावीर का संदेश किसी एक पंथ तक सीमित नहीं, बल्कि समस्त मानवता के लिए एक प्रकाशपुंज है। श्री देवेन्द्र ब्रह्मचारी (गुरुजी) के शब्दों में-आज जब विश्व को संवेदना और संतुलन की आवश्यकता है, तब महावीर का संदेश ही वह पथ है, जो हमें जोड़ सकता है। देश-विदेश से संत-महात्मा, विद्वान, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं श्रद्धालु इस आयोजन में सहभागी होंगे। साथ ही सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक प्रस्तुतियाँ इस महोत्सव को और भी जीवंत बनाएंगी। यह आयोजन केवल देखने का नहीं, महसूस करने का, अपनाने का और आगे बढ़ाने का अवसर है।

बैठक में प्रमुख सदस्य श्री सोहन गिरी, श्री राजुगाल तवर, श्री हेमराज गर्ग, श्री स्वदेश चड्ढा, श्री आलोक जैन, श्री मंदीप दवास, श्री अमित पवार, श्री ललित गर्ग, श्री मनोज जैन (इशिका, कोलकाता), श्री हर्ष कौशिक, श्री प्रीतम चैहान, श्री विकास जैन, श्री प्रवीण जैन, श्री माथी कार्गो, श्री अनुज, श्री बसवराज पाटिल, श्री एन. डी. गुरु जी, श्री नेम सिंह चैहान उपस्थित थे।

ग्रीष्मकाल में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने ग्रीष्मकाल को ध्यान में रखते हुए पीएचई विभाग के अधिकारियों, सीएमओ तथा जनपद सीईओ को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आमजन को पेयजल के लिए किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जलापूर्ति व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जहां भी पेयजल संकट की सूचना प्राप्त हो, वहां तत्काल वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही, उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुचारू बनी रहे, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। कलेक्टर ने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग को रोकने के लिए संबंधित अधिकारियों को निरंतर जांच एवं कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू गैस का उपयोग केवल निर्धारित उद्देश्य के लिए ही किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि होटलों, ढाबों एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस का उपयोग पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाए। इसके लिए नियमित निरीक्षण अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस प्रकार की अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सतत मॉनिटरिंग की जाए और दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने सरसों फसल के लिए भावांतर भुगतान योजना के तहत नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत सरसों की खरीदी केवल निर्धारित मुख्य मंडियों में ही की जाएगी। उप मंडियो में खरीदी नहीं होगी। इसके साथ ही केवल जिले के किसानों से ही सरसों की खरीदी होगी।

शहीद दिवस के अवसर पर हुआ श्रमदान एवं पदयात्रा का आयोजन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहीद दिवस के अवसर पर हुआ श्रमदान एवं पदयात्रा का आयोजन झाबुआ, 23 मार्च 2026। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत झाबुआ एवं जन अभियान परिषद झाबुआ मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में शहीद दिवस के अवसर पर ÷मेरा भारत, मेरी जिम्मेदारी÷ थीम के अंतर्गत झाबुआ स्थित पीजी कॉलेज प्रांगण एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान का सफल आयोजन किया गया।

इस अभियान में मेरा युवा भारत के स्वयंसेवकों के साथ बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवकों द्वारा चंद्रशेखर आजाद एवं महात्मा गांधी की प्रतिमाओं की साफ-सफाई कर माल्यार्पण किया गया, जिससे राष्ट्रनायकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी प्रीति एवं जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक श्री तोरिया डामोर ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह एवं जिम्मेदारी के साथ अभियान को सफल बनाया।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं को शहीद दिवस के महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही विश्व जल दिवस के अवसर पर जल संरक्षण एवं जल गंगा संरक्षण अभियान विषय पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें युवाओं को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इसी क्रम में शहीद दिवस के अवसर पर राणापुर विकासखंड में माय भारत स्वयंसेवक श्री परसिंह चेंगोड द्वारा युवाओं की सहभागिता से पदयात्रा का भी आयोजन किया गया।

मेरा भारत, मेरी जिम्मेदारी थीम के अनुरूप यह आयोजन युवाओं में स्वच्छता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक प्रभावी एवं प्रेरणादायक पहल सिद्ध हुआ।

समयावधि एवं अंतर्विभागीय समन्वय बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान की अध्यक्षता में आज समयावधि एवं अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समय सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा आपसी समन्वय के साथ प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत लंबित शिकायतों की विभागवार समीक्षा की गई। श्री चौहान ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण प्राथमिकता से किया जाए तथा अनावश्यक लंबित प्रकरणों को तत्काल समाप्त किया जाए।

जल गंगा संवर्धन अभियान एवं जल संचय जन भागीदारी (छ्रस्छ्क्क) के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों एवं पोर्टल पर प्रविष्टियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा जल संरक्षण से संबंधित गतिविधियों को गति प्रदान की जाए।

सम्पूर्णता अभियान एवं संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत लंबित प्रकरणों एवं लक्ष्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को प्रगति में तेजी लाने तथा निर्धारित लक्ष्य समय पर प्राप्त करने के निर्देश दिए गए।

जनगणना कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने एवं डाटा संकलन कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए गए। सीएम/सीएस मॉनिट अंतर्गत लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा करते हुए श्री चौहान ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर समय पर जवाब प्रेषित किया जाए।

सीपीग्राम एवं लोक सेवा गारंटी अधिनियम से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि इन शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए।

दिव्यांग शिविरों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए। आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण कार्यों एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्माणाधीन भवनों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने तथा समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत किए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ग्रामों में मूलभूत सुविधाओं का समुचित विकास सुनिश्चित किया जाए तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

बैठक में एचपीवी टीकाकरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप टीकाकरण अभियान को गति प्रदान की जाए तथा अधिक से अधिक हितग्राहियों को जागरूक कर अभियान से जोड़ा जाए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री चौहान ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करते हुए समयबद्धता, गुणवत्ता एवं पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा आपसी समन्वय के माध्यम से जिले के समग्र विकास में सक्रिय भूमिका निभाई जाए।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ, थान्दला एवं मेघनगर, डिप्टी कलेक्टर्स सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष पद पर संग्राम... उज्जैन में खुलकर सामने आए मतभेद

महानिर्वाणी गुट के रविंद्र पुरी ने अध्यक्ष होने का किया दावा - निरंजनी गुट के रवींद्र पुरी महाराज बोले- 2021 से अब तक कहां थे, मैं ही वैध अध्यक्ष

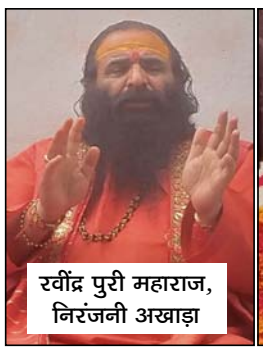
रवींद्र पुरी महाराज, निरंजनी अखाड़ा

रवींद्र पुरी महाराज, महानिर्वाणी अखाड़ा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पद को लेकर चल रही खींचतान अब खुलकर सामने आ गई है। सिंहस्थ 2028 से पहले संत समाज में एकता की जगह गुटबाजी तेज होती नजर आ रही है। रविवार को मंगलनाथ रोड स्थित खाक चौक पर श्री पंच रामानंदीय निर्वाणी अखाड़े में आयोजित बैठक में 8 अखाड़ों के संत-महंतों ने महानिर्वाणी अखाड़े से जुड़े रवींद्र पुरी महाराज को अध्यक्ष मानते हुए उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि वे ही अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष हैं। खास चर्चा में निरंजनी अखाड़ा के सचिव और अखाड़ा परिषद के वर्तमान अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज ने दो टूक कहा कि वर्ष 2021 में उन्हें सर्वसम्मति से अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद का अध्यक्ष चुना गया था और उन्होंने कभी इस्तीफा नहीं दिया। ऐसे में कोई अन्य व्यक्ति खुद को अध्यक्ष नहीं बता सकता। उन्होंने यह भी कहा कि महानिर्वाणी के रवींद्र पुरी अध्यक्ष होने का दावा कर रहे हैं तो वे वर्ष 2021 से अब तक कहां थे। इस दौरान वे कितनी बार उज्जैन आए तथा आगामी सिंहस्थ महापर्व की तैयारियों को लेकर कितनी बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से मिले और बैठकों में शामिल हुए। वहीं महानिर्वाणी अखाड़ा के रवींद्र पुरी महाराज ने कहा कि हरिद्वार में बहुमत के आधार पर उन्हें अध्यक्ष चुना गया था और वही वर्तमान अध्यक्ष हैं। उन्होंने पूरे विवाद को विचारों का मतभेद बताते हुए कहा कि संत समाज में ऐसे मतभेद पहले भी सामने आते रहे हैं।

13 अखाड़े, दो दावे... बढ़ी उलझन-

प्रयागराज कुंभ के बाद से ही अखाड़ा परिषद में नेतृत्व को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। 13 अखाड़ों में बंटे संत समाज के दो गुट अब अलग-अलग अध्यक्षों के समर्थन में खड़े हो गए हैं। एक पक्ष निरंजनी अखाड़े के रवींद्र पुरी को वैध अध्यक्ष मान रहा है, तो दूसरा महानिर्वाणी अखाड़े के रवींद्र पुरी के साथ खड़ा है।

महामंडलेश्वर के खिलाफ षड्यंत्र रचने वालों की तलाश में दिल्ली-मुंबई में दबिश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चारधाम मंदिर के महामंडलेश्वर को बदनाम करने के साथ ब्लैकमेल करने की साजिश रचने वालों की तलाश में पुलिस टीम दिल्ली-मुम्बई तक दबिश मार चुकी है, बावजूद साजिश के मुख्य आरोपित 14 दिन बाद भी गिरफ्त में नहीं आ सके।

महाकाल थाना पुलिस ने 8 मार्च को बनारस के समरीन स्कूल के पास इंद्रानगर में रहने वाली महिला की शिकायत पर चारधाम मंदिर के महामंडलेश्वर शांतिस्वरूपानंद के खिलाफ शोषण का झूठा प्रकरण दर्ज करने का दबाव बनाने वाले घनश्याम पटेल और मंदाकिनीपुरी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था। मंदाकिनीपुरी की तलाश में गढ़कालिका आश्रम और घनश्याम की तलाश में इंदौर दबिश दी गई थी। लेकिन दोनों फरार होना सामने आये थे। पुलिस ने दोनों की मोबाइल लोकेशन ट्रेस करना शुरू किया था। इस दौरान मंदाकिनीपुरी की लोकेशन दिल्ली और घनश्याम पटेल की मुम्बई होना सामने आई थी। पुलिस की 2 टीमें गिरफ्तारी के लिये दिल्ली-मुम्बई तक पहुंची थी, लेकिन दोनों के मोबाइल स्वीच ऑफ होने पर उनका सुराग नहीं मिल पाया था। एसआई पुरूषोत्तम गौतम के अनुसार दोनों की गिरफ्तारी के प्रयास लगातार जारी है। महामंडलेश्वर शांतिस्वरूपानंद के खिलाफ साजिश रचकर उन्हे बदनाम करने का खुलासा होने पर संत समाज ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलकर दोनों आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग रखी थी। जिसके बाद से पुलिस दिन-रात दोनों को गिरफ्तार करने के प्रयास में लगी हुई है। विदित हो कि शिकायत दर्ज कराने वाली बनारस की महिला ने बताया था कि कुछ समय पहले वह क्षिप्रा परिक्रमा और देवदर्शन के लिये उज्जैन आई थी। उस दौरान मंदाकिनीपुरी और घनश्याम पटेल से मुलाकात हुई थी। उस दौरान वह महामंडलेश्वर शांतिस्वरूपानंद के चारधाम मंदिर पर भी जाती थी। इसके चलते दोनों ने महामंडलेश्वर के खिलाफ शोषण का झूठा केस दर्ज कराने का दबाव बनाकर 50 हजार का लालच दिया था। मना करने पर घनश्याम पटेल ने बनारस आकर जान से मारने की धमकी दी और उज्जैन बुलाया।

सिंहस्थ 2028 के कामों में ढिलाई पर सख्त एक्शन.... ठेकेदार पर 5 लाख की पेनल्टी

बारिश से पहले प्रमुख सड़कें पूरी करने के निर्देश, गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं, संभागायुक्त रोज करेंगे मॉनिटरिंग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों में लापरवाही अब भारी पड़ने लगी है। संभागायुक्त सह मेला अधिकारी आशीष सिंह ने सोमवार को निर्माण कार्यों का सख्त निरीक्षण करते हुए धीमी प्रगति और गुणवत्ता में कमी पर कड़ा रुख अपनाया। देवास रोड फोरलेन निर्माण में देरी और परीक्षण लैब में कैलिब्रेशन सर्टिफिकेट नहीं मिलने पर संबंधित एजेंसी पर 5 लाख रुपये की पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए गए।

संभागायुक्त ने साफ कहा कि सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी कार्य तय समयसीमा में और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं।

धीमी रफ्तार पर फटकार, मजदूर बढ़ाने के निर्देश- दताना से पाइप फैक्ट्री तक 8.8 किमी लंबे फोरलेन निर्माण का निरीक्षण करते समय काम की रफ्तार धीमी पाई गई। मौके पर मजदूरों की संख्या कम होने पर संभागायुक्त ने नाराजगी जताई और एजेंसी को तुरंत संसाधन बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को रोजाना सामग्री की टेस्टिंग रिपोर्ट अपडेट करने के आदेश दिए।

नवरात्रि में श्रद्धालुओं को न हो परेशानी- हामूखेड़ी में सड़क चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण करते हुए संभागायुक्त ने विशेष निर्देश दिए कि बिजासन माता मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को नवरात्रि के दौरान किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। ठेकेदार को काम में तेजी लाकर नवंबर तक कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए।

गेल चौराहे से शांति नगर तक बारिश से पहले काम पूरा करें- नानाखेड़ा गेल चौराहे से नीलगंगा चौराहे तक 2700 मीटर सड़क चौड़ीकरण कार्य की समीक्षा में संभागायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कम से कम एक किलोमीटर हिस्सा बारिश से पहले पूरा कर लिया जाए। साथ ही आगे के काम की पूर्व योजना बनाकर तेजी से क्रियान्वयन करने को कहा।

मुख्य मार्गों पर विशेष फोकस, ब्रिज कार्य भी परखा- जंतर-मंतर से लालपुल तक निर्माणाधीन फोरलेन मार्ग और ब्रिज कार्य का भी निरीक्षण किया गया। यह मार्ग शहर का प्रमुख कनेक्टिविटी रूट होने के कारण अधिकारियों को मौके पर मौजूद रहकर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अब रोज सुबह 10 बजे होगी मॉनिटरिंग

-संभागायुक्त खुद रोज सुबह 10 बजे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करेंगे
-हर प्रोजेक्ट की प्रगति की दैनिक समीक्षा होगी
-गुणवत्ता और समयसीमा पर विशेष नजर
-लापरवाही मिलने पर सीधे कार्रवाई तय

12 अप्रैल से प्रारंभ होगी पंचक्रोशी यात्रा

पंचक्रोशी यात्रा में महिलाओं के लिए विशेष हेल्प डेस्क लगाई जाए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इस वर्ष पंचक्रोशी यात्रा रविवार 12 अप्रैल से प्रारंभ होगी। यात्रा के दौरान यात्रा मार्ग, प्रमुख पड़ाव व उप पड़ाव स्थलों पर विभिन्न विभागों द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा सोमवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में बैठक ली गई।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, डीएफओ श्री अनुराग तिवारी, एडीएम श्री अत्येंद्र सिंह गुर्जर एवं संबंधित विभागों के अधिकारी गण उपस्थित थे ।

बैठक में यात्रा के प्रमुख पड़ाव और उप पड़ाव स्थलों के बारे मे जानकारी दी गई। बताया गया कि सामान्यत: पंचक्रोशी यात्रा में प्रतिवर्ष लगभग 50 से 60 हजार यात्री सम्मिलित होते है। इसमें विशेषत: प्रदेश के विभिन्न शहरों और पड़ोसी राज्यों के श्रद्धालु भाग लेते हैं। इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि संभावित है।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में निर्देश दिए कि पंचक्रोशी यात्रा अत्यंत प्राचीन और महत्वपूर्ण धार्मिक यात्रा है। इसीलिए यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। सिंहस्थ-2028 के अंतर्गत जो भी निर्माण कार्य किए जा रहे हैं इनमें पंचक्रोशी यात्रा मार्ग में आने वाले निर्माण कार्य यात्रा के पूर्व समय सीमा में पूर्ण कर लिए जाएं। यात्रा मार्ग का सुधार कार्य कर समतलीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया जाए। बहुत से श्रद्धालु नंगे पैर यात्रा करते हैं उन्हें मार्ग में पैदल यात्रा के दौरान असुविधा ना हो।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में निर्देश दिए कि पंचक्रोशी यात्रा के दौरान जो भण्डारे लगाये जाना है, उनमें आयोजनकर्ताओं द्वारा एसडीएम से अनुमति लेने के पश्चात ही भण्डारे लगाये जाएं। भण्डारों में वितरित किए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की निरंतर जांच की जाए। यात्रा के दौरान जो भण्डारे लगाया जाना है, उनकी पहले से सूची उपलब्ध करवाई जाए।

बैठक में लोक निर्माण विभाग (भवन एवं पथ) को मंदिर मे बैरिकेटिंग की व्यवस्था, यात्रा मार्ग पर संकेतक एवं माईलस्टोन लगवाने, कालियादेह से चक कमेड ग्राम अष्टतीर्थ मार्ग का रख-रखाव करवाने के निर्देश दिए गए।

आगररोड पर भीषण अग्निकांड, फर्नीचर कारखाना स्वाहा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगररोड पर सोमवार देर शाम भीषण अग्निकांड हो गया। फर्नीचर कारखाने में लगी आग के बाद अफरा-तफरी मच गई। आगजनी की सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड और पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। चिमनगंज थाना पुलिस के अनुसार आगररोड खिलचीपुर पुलिया के पास फर्नीचर कारखाना बना हुआ था। देर शाम 7.30 बजे के लगभग अचानक कारखाने में आग लग गई। कुछ पल में ही आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की लपटे देख क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। वहीं 5-6 फायर बिग्रेड की दमकले भी आग पर काबू पाने के लिये पहुंची। आग पर काबू पाया जाता उससे पहले पूरा कारखाना स्वाहा हो चुका था। पुलिस के अनुसार फिलहाल आग लगने की वजह सामने नहीं आई है। संभावना है कि शार्ट सर्किट हो सकता है।

राष्ट्र साधना के 100 वर्ष होने पर प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कालिदास संस्कृत अकादमी एवं संस्कार भारती के सहकार से निर्मित राष्ट्र साधना के 100 वर्ष होने पर गत दिवस प्रदर्शनी का शुभारम्भ श्री विनीत नवाठे द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन?होंने कहा कि कला में बहुत शक्ति होती है, कलाकार को जिस प्रकार के विचार प्रेषित किए जाते हैं वे कलाकृति में दिखाई देते हैं। हमारी कला को विकृत और नष्ट करने का कार्य भी किया गया।

मोबाइल मांगने पर दोस्त ने किया चाकू से हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीती रात दोस्त ने ही दोस्त पर चाकू से वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया जहां से उसे निजी अस्पताल ले जाया जाना बताया जा रहा है। पंवासा पुलिस ने जानलेवा हमले का प्रकरण दर्ज कर वार करने वाले की तलाश शुरू की है। पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि सेंट थॉमस स्कूल के पास रहने वाले रोहित पिता राजेश बैरागी 26 वर्ष पर अजय ने पंवासा चौराहा पर रात में चाकू से वार कर दिए। रोहित के सिर, कान और गाल पर गहरी चोट लगी और वह खून से लथपथ हो गया। घटना स्थल पर ही घायल रोहित के भाई की पंचर की दुकान है। भाई ने घटनाक्रम देखा तो रोहित को अस्पताल लेकर पहुंचा। मामले की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। हमला करने वाला अजय फरार हो चुका था। घायल से पूछताछ में सामने आया कि अजय उसका दोस्त है। कुछ दिन पहले उसने चलाने के लिए मोबाइल लिया था जिसे वापस मांगने की बात को लेकर कहासुनी हुई तो अजय ने चाकू से हमला किया है। पंवासा पुलिस के अनुसार डॉक्टरों ने चोट गंभीर होना बताई है जिसके चलते मामले में प्राणघातक हमले का प्रकरण दर्ज किया गया है।

इधर रुपयों को लेकर मारा बक्का- बड़नगर कोर्ट चौराहा पर रहने वाले निर्मल पिता सुंदरलाल चौहान को उपचार के लिए उज्जैन लाया गया है। घायल ने बताया कि वह मंडी में हम्माली करता है। रात को घर लौटते समय राहुल परमार नामक बदमाश ने रोककर शराब के रुपए मांगे। मना करने पर बक्के से हमला कर दिया।

गुरुकुल में नाबालिग छात्र से बर्बरता मामले में आरोपी शिक्षक पर केस दर्ज

उज्जैन के वेदविद्या प्रतिष्ठान में शर्मनाक घटना, बीएनएस व जुवेनाइल एक्ट में मामला दर्ज, छात्रों को गायब करने के आरोप से मचा बवाल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के प्रतिष्ठित महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान में अनुशासन के नाम पर बर्बरता का सनसनीखेज मामला सामने आया था। यहां एक नाबालिग छात्र को शिक्षक द्वारा छड़ी से बेरहमी से पीटने का वीडियो वायरल होते ही हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ सख्त धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

चिंतामन थाना पुलिस के अनुसार आरोपी शिक्षक दत्तदास शेवड़े पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 115, 296 के साथ ही किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम की धारा 75 व 82 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने पीड़ित छात्र के बयान और मेडिकल परीक्षण के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी है।

वीडियो में दिखी निर्दयता, चीखता रहा मासूम - वायरल वीडियो ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। सामवेद राणायनीय शाखा के शिक्षक और वार्डन दत्तदास शेवड़े एक मासूम छात्र को छड़ी से लगातार पीटते नजर आ रहे हैं। छात्र दर्द से चीखता रहा, लेकिन शिक्षक का हाथ नहीं रुका। बताया जा रहा है कि छात्र का दोष सिर्फ इतना था कि वह दूसरे के बिस्तर पर सो गया था।

राजनीतिक बवाल, छात्रों को छिपाने का आरोप- घटना के बाद राजनीतिक गलियारों में भी उबाल आ गया है। युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष अर्पित यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने गुरुकुल पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उनके पहुंचने से पहले ही छात्रों को वहां से हटा दिया गया, ताकि सच्चाई सामने न आ सके।

युवा कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन में यशराज चावड़ा, योगेश दायमा, मयूर तीनखेड़े सहित कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

संस्थान की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल- इस हाई-प्रोफाइल मामले ने राष्ट्रीय स्तर के इस प्रतिष्ठित संस्थान की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अनुशासन के नाम पर बच्चों के साथ होने वाली प्रताड़ना को लेकर समाज के विभिन्न वर्गों में आक्रोश है। फिलहाल, सभी की नजर अब पुलिस कार्रवाई और प्रशासनिक कदमों पर टिकी हुई है।

महाकालेश्वर दरबार में नहीं रुकेगा भोग... गैस संकट के बीच मंदिर प्रशासन अलर्ट

देशभर में एलपीजी की किल्लत, लेकिन महाकालेश्वर मंदिर में प्रसाद व्यवस्था रहेगी सुचारू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देश सहित उ'जैन में कमर्शियल गैस की कमी का असर जहां होटल और रेस्टोरेंट तक पहुंच चुका है, वहीं भगवान महाकाल के दरबार से राहत भरी खबर सामने आई है। गैस संकट के बीच भी महाकालेश्वर मंदिर में भोग-प्रसाद की व्यवस्था बिना किसी रुकावट जारी रहेगी। मंदिर प्रशासन ने साफ किया है कि श्रद्धालुओं को प्रसाद में किसी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी।

मंदिर समिति में सहायक प्रशासनिक अधिकारी मूलचंद जूनवाल के मुताबिक, फिलहाल गैस सप्लाई पूरी तरह सामान्य है। मंदिर का अन्नक्षेत्रम् और लड्डू यूनिट दोनों पहले की तरह सुचारू रूप से काम कर रहे हैं। यहां रोजाना बड़ी मात्रा में प्रसाद तैयार किया जाता है और इसकी आपूर्ति पर कोई असर नहीं पड़ा है। इसके पीछे कारण यह है कि महाकाल के अन्न क्षेत्र में भोजन निर्माण के लिए एलपीजी के अलावा पीएनजी कनेक्शन भी है।

भोग-प्रसाद पर नहीं पड़ेगा असर- अधिकारियों का कहना है कि अभी तक न तो एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई में कोई बाधा आई है और न ही पाइपलाइन गैस (पीएनजी) में कोई कमी देखी गई है। ऐसे में श्रद्धालुओं को मिलने वाला भोग-प्रसाद पहले की तरह लगातार मिलता रहेगा।

रोज बनते हैं 40 क्विंटल लड्डू- मंदिर की लड्डू यूनिट में प्रतिदिन करीब 40 क्विंटल प्रसाद तैयार किया जाता है। यह यूनिट मुख्य रूप से पीएनजी पर संचालित होती है, जबकि अन्नक्षेत्रम् में कमर्शियल एलपीजी का उपयोग होता है। दोनों व्यवस्थाएं फिलहाल पूरी क्षमता के साथ चल रही हैं।

इमरजेंसी प्लान तैयार- संभावित संकट को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है। रोजाना गैस की खपत का ऑडिट किया जा रहा है, ताकि जरूरत पडने पर वैकल्पिक व्यवस्था तुरंत लागू की जा सके।

सप्लायरों से सीधा संपर्क - मंदिर समिति ने गैस सप्लाई बनाए रखने के लिए तीन अलग-अलग सप्लायरों से संपर्क स्थापित किया है। सभी सप्लायरों ने पर्याप्त स्टॉक होने का भरोसा दिया है। प्रशासन का कहना है कि किसी भी स्थिति में बाबा महाकाल के भोग में बाधा नहीं आने दी जाएगी।

हिरासत में वृद्ध से 20 हजार लूटने वाले 2 बदमाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सात दिन पहले हुई लूट की वारदात में शामिल 2 बदमाशो को पुलिस ने हिरासत में लिया है। व जिससे पूछताछ कर उसके 2 अन्य साथियों की जानकारी जुटाई जा रही है। जल्द ही न पुलिस मामले का खुलासा कर सकती है। 15 मार्च की रात इंदिरा नगर, शांतिनगर नाले की पुलिया के पास रहने वाले 65 वर्षीय रमेशचंद्र पिता गेंदालाल जैन राजेन्द्र नगर न चौराहा पर चाय-नाश्ते की दुकान जैन कैफे एव्हरफ्रेश के नाम से संचालित करते हैं। घटना वाले दिन रात 3 बजे वह दुकान पर पहुंचे थे। उन्होंने अपनी दुकान खोली और चाय-नाश्ते के साथ पोहे बनाने की तैयारी में लग गए। उनके पास किराना सामान मंगाने के 20 हजार रुपए भी रखे थे। उसी दौरान बाइक पर सवार होकर चार युवक पहुंचे। पहले उन्होंने सिगरेट मांगी। रमेशचंद्र ने सिगरेट के रुपए मांगे तो चारों युवकों ने रमेशचंद्र ने पकड़ लिया और मुंह दबाकर उनके पास रखे 20 हजार रुपए छीनकर भाग निकले। मामले की जानकारी नीलगंगा पुलिस को मिली थी। पुलिस द्वारा बदमाशो का सुराग तलाशा जा रहा था। बीती रात लूट की वारदात में शामिल 2 बदमाशो को पुलिस ने हिरासत में ले लिया जो शांतिनगर क्षेत्र के होना बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस द्वारा हिरासत में आए आरोपियों से पूछताछ कर उसके अन्य साथियो के संबंध में पूछताछ कर गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। लूट में शामिल चारों बदमाशों के गिरफ्त में आने पर रुपए बरामद कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

प्रेम प्रसंग में युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर की आत्महत्या

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मजदूरी करने वाले युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर मां को जहर खाने की जानकारी दी। मां उसे अस्पताल लेकर पहुंची। रातभर चले उपचार के बाद तड़के युवक की मौत हो गई। मामला प्रेम प्रसंग से जुडा होना सामने आया है। भेरूगढ़ थाना क्षेत्र के गंभीर डेम के समीप फाजलपुरा का रहने वाला चंदर पिता भागीरथ चौहान 24 वर्ष मजदूरी करता था। रविवार होने पर वह मजदूरी पर नहीं गया था। शाम को उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने लगी तो मां शानूबाई को कहा कि सल्फास खाई है। मां उसे चरक अस्पताल लेकर पहुंची जहां रातभर चले उपचार के बाद सोमवार तड़के चंदर की मौत हो गई। सूचना मिलने पर भैरवगढ़ थाना पुलिस ने मर्ग कायम किया। पोस्टमार्टम के दौरान परिजनों ने बताया कि चंदर अविवाहित था और मजदूरी करता था। उसने जहरीला पदार्थ क्यों खाया इसकी वजह पता नहीं है। लेकिन आशंका जताई जा रही है कि मामला युवती से जुड़ा हुआ है, चंद्र जीते प्रेम करता था वह युवती किसी दूसरे से बातचीत करने लगी थी, जिसके चलते चंदर का उससे विवाद हुआ था। इसी वजह से उसने मौत को गले लगाया है। पुलिस का कहना था कि परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे और जांच शुरू की जाएगी उसके बाद ही आत्महत्या की वजह सामने आ पाएगी।

नाट्यशास्त्र केन्द्रित नृत्य कार्यशाला आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय विचार परम्परा के ग्रन्थ संवादात्मक हैं जो एक दूसरे के विचारों को अपने में समाहित करते हैं, यही कारण है कि हमारी ज्ञान परम्परा और वैचारिक पृष्ठभूमि अत्यन्त समृद्ध है। उक्त विचार पद्मविभूषण डॉ. सोनल मानसिंह ने कालिदास संस्कृत अकादमी द्वारा गत दिनों आयोजित दो दिवसीय नाट्यशास्त्र पर केन्द्रित नृत्य कार्यशाला में व्यक्त किए। अकादमी के निदेशक डॉ. गोविन्द गन्धे ने बताया कि अकादमी के अभिरंग नाट्यगृह में देश के प्रख्यात नृत्य गुरुओं ने विभिन्न नृत्य विधाओं पर अपने विचार प्रतिभागियों के साथ साझा किए। डॉ. सोनल मानसिंह ने कहा कि हमारा कला आविष्कार हमें प्रकृति के साथ जोड़ता है तथा स्वयं की खोज करने में वह सहायता करता है। इसलिए कहा गया है कि कला वही है जो व्यक्ति को समस्त बंधनों से मुक्त करें। यह कला साधकों का धेय वाक्य है। आज तीन सत्रों में डॉ. सोनल मानसिंह, नईदिल्ली, एडव्होकेट सुश्री रश्मि मेनन, चेन्नई, डॉ. प्रसाद भिड़े, मुम्बई ने प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत करवाया।

कोई भी गृह प्रसव ना हो आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य विभाग जनपद पंचायतों से समन्वय कर यह सुनिश्चित करें - कलेक्टर श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट के साथ सोमवार दोपहर जनपद उज्जैन के ग्रामों के स्वास्थ्य केन्द्र, उपस्वास्थ्य केंद्र और विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने औचक निरीक्षण की शुरूआत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नरवर से की। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नरवर में कलेक्टर श्री सिंह ने पीएमएसएमए रजिस्टर में एएनसी पंजीयन की जानकारी ली और हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम पंचायत नरवर में नवीन पंचायत भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण कर भवन निर्माण कार्य की सराहना की और पंचायत के लिए अतिरिक्त आय सृजित करने के लिए एनआरएलएम के माध्यम से दुकानें बनाकर संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही सिंहस्थ 2028 के दृष्टिगत भवन में गेस्ट कक्षों का निर्माण कर एनआरएलएम के माध्यम से संचालित करने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने नवीन भवनों के निर्माण में पौधारोपण करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उज्जैन जनपद पंचायत सीईओ श्री संदीप यादव ने जानकारी दी कि पंचायत भवन में सिलाई कक्ष भी बनाया जा रहा है जहां महिलाओं को स्वरोजगार के लिए सिलाई का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्माणाधीन ग्राम पंचायत नरवर के भवन के प्रांगण में एक शाला एक परिसर अंतर्गत स्थित पीएम श्री विद्यालय, शासकीय माध्यमिक विद्यालय और शासकीय प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण कर शिक्षकों के उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन कर सभी शिक्षकों की उपस्थिति की जांच कर अनुपस्थित शिक्षक श्री श्रीवास्तव को नोटिस जारी करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।